सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 298, नई दिल्ली । सोमवार, 06 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कष्ट सहने पर ही हमें अनुभव होता है और दर्द हो, तभी हम सीख पाते हैं।

03 अंधेर नगरी के माध्यम से बच्चों ने किया व्यवस्था पर कटाक्ष
06 पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों की तुलना में डिजिटल शिक्षण में एआई का उदय
08 भीषण विस्फोट, दिल दहला देने वाला मंजर: दंपत्ति के शव टुकड़े-टुकड़े हो गए

दिल्ली-एनसीआर में सुधरी एयर क्वालिटी, हटाई गई ग्रैप-3 की पाबंदियां

संजय बाटला

प्रदूषण में कमी के चलते दिल्ली-एनसीआर से GRAP-3 की पाबंदियां हट गई हैं। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार को दिल्ली और एनसीआर के इलाके में GRAP-3 लागू करने का फैसला लिया था लेकिन अब हवा की गुणवत्ता में सुधार के बाद इन पाबंदियों को हटा दिया गया है। हालांकि ग्रैप 1 और 2 के नियम लागू रहेंगे।

नईदिल्ली। राजधानी दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में कमी आई है। इस कारण ग्रैप-3 की पाबंदियां हटा ली गई है। इस कारण दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में संशोधित ग्रैप के चरण- I और II के तहत नियम लागू रहेंगे। बता दें, कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार को दिल्ली और एनसीआर के इलाके में ग्रैप तीन को लागू करने का फैसला लिया था।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने कहा, "संशोधित ग्रैप के चरण- I और II के तहत नियम लागू रहेंगे। पूरे एनसीआर में संबंधित सभी एजेंसियों द्वारा एयर क्वालिटी की निगरानी और समीक्षा की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि AQI का स्तर आगे न गिरे। सभी एजेंसियां संशोधित GRAP के चरण- I और II के तहत लागू नियमों का पालन कराएगी।"

रविवार को औसत एक्यूआई 335 रहा

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार देखा गया है। रविवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम 4 बजे 339 और शाम 5 बजे 335 रहा। सीएक्यूएम के मुताबिक इसमें और कमी आएगी।

बारिश के कारण एक्यूआई में आया था सुधार

बता दें, बीते महीने राजधानी दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में बारिश होने के बाद हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इस दौरान ठंड में वृद्धि हुई है। हवा की गुणवत्ता में सुधार होने के बाद ग्रैप चार के प्रतिबंध भी हटा लिए गए थे। इस तरह एक्यूआई में बढ़ोतरी या कमी आने के बाद ग्रैप 3 या 4 को लागू या हटाया जाता है।

ग्रैप-3 के हटने से कौन सी पाबंदियां हटी?

दिल्ली-एनसीआर में निर्माण कार्यों पर लगी रोक हट गई।

बीएस-4 या पुराने मध्यम आकार वाले एमजीवी वाहनों से रोक हटी।

दिल्ली-एनसीआर में पांचवी तक के स्कूल हाईब्रिड मोड में चलेंगे। पहले आठवीं तक चलाने के प्रावधान थे।

आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति वाले वाहनों पर लगी रोक हटी।

दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड बीएस-4 या डीजल के कमर्शियल वाहनों पर लगी रोक हटी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्र
वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग
Commission for Air Quality Management in National Capital Region and Adjoining Areas

No.120017/27/GRAP/2021/CAQM 5th, January 2025

ORDER

Sub.: Revocation of actions under Stage III ('Severe' Air Quality) of GRAP and intensifying actions under Stage-I & II of revised Graded Response Action Plan (December, 2024)

The Commission for Air Quality Management in NCR and adjoining areas, in pursuance of the Hon'ble Supreme Court directions, issued a comprehensively Revised schedule of GRA vide its order dated 13.12.2024 for implementation with immediate effect by all concerned (available on CAQM website i.e., caqm.nic.in).

2. The Hon'ble Supreme Court in its directions in WP(C) No. 13029 of 1985 in the matter of M.C. Mehta Vs. Union of India & Ors. dated 05.12.2024, however, *inter alia*, directed the Commission as under:

"...we must record here that if the Commission finds that the AQI goes above 350, as a precautionary measure, Stage-III measures will have to be immediately implemented. If the AQI crosses 400 on a given day, Stage-IV measures will have to be reintroduced..."

3. This was further reiterated by the Hon'ble Supreme Court in its Order dated 12.12.2024 and 19.12.2024 in the above said matter.

4. In pursuance of the directions of the Hon'ble Supreme Court, when the AQI of Delhi breached the 350 mark, the Sub-Committee on GRAP invoked Stage-III of the GRAP vide order dated 03.01.2025. As of now, Stage I, II and Stage III of the revised schedule of GRAP are in force vide orders dated 14.10.2024, 21.10.2024 and 03.01.2025 respectively.

5. Noting a downward trend in the AQI levels of Delhi, the Sub-Committee on GRAP in its meeting held today reviewed the air quality scenario in the region as well as the IMD/IITM forecasts and observed as under:

Owing to the favourable meteorological conditions and better wind speed, the AQI of Delhi has been continuously improving and has been recorded as 339 at 4:00 PM and 335 at 5:00 PM and the trend/forecast indicates the AQI levels to further go down.

As per the Air Quality & Weather forecast provided by IMD/IITM, there is a further likelihood of AQI of Delhi to remain in "Poor" category in the coming days owing to favourable meteorological conditions.

6. The Sub-Committee, accordingly, hereby decides to revoke with immediate effect, its orders dated 03.01.2025, for invoking actions under Stage-III ('Severe' Air Quality) of the Schedule of GRAP (Revised December, 2024).

7. Construction & Demolition project sites etc. which have been issued specific closure orders on account of violations/ non-compliances of various statutory directions, rules, guidelines etc. under no circumstances shall resume their operations without any specific order to this effect from the Commission.

8. Actions under Stage-I & II of the revised GRAP shall, however, remain invoked and be implemented, monitored and reviewed by all the agencies concerned in the entire NCR to ensure that the AQI levels do not slip further. All implementing agencies shall keep strict vigil and especially intensify measures under Stage-I & II of the revised GRAP.

9. While GRAP Stage-III is being revoked, keeping in view the winter season when weather conditions may not be always favorable and in order to ensure that the AQI levels do not slip further, citizens are requested to strictly adhere to the citizen charter under GRAP-II.

10. The Sub-Committee, shall be keeping a close watch on the air quality scenario and review the situation from time to time for further appropriate decision depending upon the Air Quality in Delhi and forecast made by IMD/IITM.

(R.K. Agrawal)
Director (Technical)
(Member Convenor of Sub-Committee on GRAP)

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने ग्रेप 3 हटने पर डीजल टैक्सी वालो ने ख़ुशी जाहिर की, लेकिन...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने ग्रेप 3 हटने पर डीजल टैक्सी वालो ने ख़ुशी जाहिर करी, लेकिन ये कभी ख़ुशी कभी गम की तरह टैक्सी वालो के साथ हों रहा है.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना है की डीजल BS 4 टैक्सी और LMV 4 पहियें के टेम्पो ट्रैवेलर को बंद करके सरकार और प्रशासन ने ट्रांसपोर्ट से जुड़े लोगों का आर्थिक और मानसिक शोषण किया है.

इन गाड़ियों पर 20 हजार तक का जुर्माना किया गया है.

इसके खिलाफ 24 दिसंबर को टैक्सी वालो ने चुनाव बहिष्कार की चेतावनी भी सरकार और प्रशासन को दी थी.

कमिसन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट प्रदूषण के नाम पर कार बनाने वाली कम्पनियो को फायदा पहुंचा रहा है इसकी पूरी संभावना दिखाई दें रहीं है क्योंकी काफी टैक्सी वालो ने अपनी डीजल टैक्सीयों को बेचकर नई BS 6 डीजल और हाइब्रिड कारे खरीदी है जो की 5 से 7 लाख रुपये पेहले के मुकाबले महंगी है.

आज तक ना तो केंद्र सरकार ने और ना ही दिल्ली सरकार ने कृत्रिम बारिश करवाई ना ही टैक्सी वालो को गाड़ियाँ बंद करने पर कोई मुआवाजा दिया।

जो बर्ताव सरकार और इनका प्रशासन ट्रांसपोर्ट से जुड़े लोगों के साथ कर रहा है उस से ऐसा लगता है की हमारे ट्रांसपोर्टर्स दूसरे दर्जे के नागरिक है।

संजय सम्राट का कहना है की ना तो केंद्र और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और ना ही ट्रांसपोर्ट मंत्री ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन से मिलते है और ना ही ट्रांसपोर्टर्स की कोई मांगो पर गौर करते है।

इसलिए ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन आने वाले विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने की सोच रहें है, वैसे अपनी मांगो का एक ज्ञापन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दिल्ली को दिया है।

भारत 1000 किलोमीटर लंबाई के साथ, अब हमारे पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के लोगों के लिए एक गौरवपूर्ण पल

दिल्ली ने 2002 में अपनी मेट्रो यात्रा शुरू की थी जब वाजपेयी जी ने दिल्ली के लोगों को पहली मेट्रो दी और आज प्रधानमंत्री मोदी जी दिल्लीवालों को नई मेट्रो परियोजनाओं और नमो भारत का उपहार दे रहे हैं

वर्ल्ड क्लास मेट्रो के देश भर में अभूतपूर्व विस्तार का एक दशक

आज 11 राज्यों के 23 शहरों में मेट्रो रेल नेटवर्क है, जबकि 2014 में यह केवल 5 राज्यों के 5 शहरों में था

आज मेट्रो से प्रतिदिन 1 करोड़ से अधिक यात्री यात्रा करते हैं जो 2014 के 28 लाख यात्रियों की तुलना में 2.5 गुना से अधिक वृद्धि है

पिछले 10 वर्षों में मेट्रो नेटवर्क में 3 गुना वृद्धि हुई है; 2014 में केवल 248 किलोमीटर से बढ़कर अब 1000 किलोमीटर का नेटवर्क हो गया है

मेट्रो ट्रेनें आज प्रतिदिन कुल 2.75 लाख किलोमीटर की यात्रा करती हैं, जो एक दशक पहले के दैनिक 86 हजार किलोमीटर का 3 गुना है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार करोड़ों नागरिकों का जीवन आसान और यात्रा सुगम बनाने के लिए बाधारहित, किफायती और आधुनिक शहरी परिवहन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोहरे की चपेट में उत्तर भारत, 500 से ज्यादा फ्लाइट्स में देरी; कई रद, विमान खड़े करने को भी जगह नहीं

दिल्ली के आसमान पर छाए घने कोहरे ने हवाई सेवाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है। शुक्रवार देर रात से शुरू हुआ यह असर शनिवार पूरे दिन नजर आया। करीब 500 उड़ानें प्रभावित हुई हैं जिनमें से 300 से ज्यादा प्रस्थान से जुड़ी हैं। करीब 200 उड़ानें ऐसी हैं जो निर्धारित समय से एक घंटे से अधिक की देरी से रवाना हुई हैं। 45 उड़ानों को रद्द करना पड़ा है।

नई दिल्ली। दिल्ली के आसमान पर छाए घने कोहरे का उड़ान सेवाओं पर जबरदस्त असर पड़ा। शुक्रवार देर रात से शुरू हुआ यह असर शनिवार पूरे दिन नजर आया। आलम यह रहा कि विभिन्न दिशाओं से दिल्ली आने वाली कई उड़ानों को अलग-अलग जगह डाइवर्ट करना पड़ा। वहीं, प्रस्थान (एयरपोर्ट से उड़ने वाली फ्लाइट) से जुड़ी कई उड़ानें या तो रद करनी पड़ी या फिर उनके प्रस्थान में घंटों की देरी हुई। कुल विलंबित उड़ानों की बात करें तो यह संख्या करीब 500 है। इनमें करीब 300 उड़ानें प्रस्थान से जुड़ी हैं। करीब 200 उड़ानें ऐसी हैं, जो निर्धारित समय से एक घंटे से अधिक की देरी से रवाना हुई।

विमान खड़े होने को जगह नहीं : आलम यह रहा कि शनिवार को आईजीआई एयरपोर्ट (IGI Airport Delhi) के बे एरिया में विमानों को खड़े होने की जगह नहीं मिल रही थी। टैक्सी-वे से बे एरिया पहुंचने के लिए विमानों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा रहा था।

19 उड़ानें डाइवर्ट : शुक्रवार देर रात से विमानों का डाइवर्जन शुरू हुआ तो यह रुकने का नाम ही नहीं ले रहा था। रात 12:15 बजे से 1:30 बजे के बीच एक के बाद एक कुल 19 उड़ानों को डाइवर्ट किया गया। जिन स्थानों पर उड़ानों को डाइवर्ट किया गया, उनमें मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद व भोपाल शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बात करें तो लंदन व पेरिस से आ रही दोनों उड़ानों को डाइवर्ट कर मुंबई में उतरने का निर्देश दिया गया। डाइवर्ट की गई कुल उड़ानों में 13 घरेलू, चार अंतरराष्ट्रीय व दो नान शेडयूल उड़ानें थीं।

45 उड़ानें रद : खराब दृश्यता के बीच 45 उड़ानों को रद करना पड़ा। इनमें कुछ ऐसी भी उड़ानें हैं जो अलग-अलग जगहों से दिल्ली पहुंचने के बाद यहां से रवाना होती हैं। जहां से इन्हें दिल्ली पहुंचना था, वहां मौसम से जुड़े खराब हालात के कारण ये दिल्ली पहुंची ही नहीं, इसलिए इन्हें रद करना पड़ा।

जिन जगहों की उड़ानों को रद करना पड़ा, उनमें अमृतसर, पटना, श्रीनगर, चेन्नई, कोलकाता, उदयपुर, लेह, दरभंगा, वाराणसी, रांची, भोपाल, कानपुर, सिलीगुड़ी, हैदराबाद, उदयपुर, गया, अमृतसर, मुंबई, गुवाहाटी, पुणे, गोरखपुर, जम्मू सहित अनेक स्थान शामिल हैं।

500 उड़ानें विलंबित : डाइवर्ट व रद उड़ानों के बीच करीब 500 उड़ानें विलंबित रही। इनमें करीब 300 उड़ानें प्रस्थान से जुड़ी रहीं। प्रस्थान की करीब 200 उड़ानें ऐसी थी, जिनमें एक घंटे से अधिक की देरी हुई। एक अनुमान के अनुसार आईजीआई से प्रस्थान से जुड़ी कुल विमानों में विलंब का औसत करीब आधा घंटा का रहा। प्रस्थान की आधी से अधिक करीब 65 प्रतिशत उड़ानें तय समय से विलंबित रहीं।

एडवाइजरी पर एडवाइजरी : खराब दृश्यता का असर उड़ानों पर पड़ने की आशंका से तमाम एयरलाइंस पहले से अवगत थीं। इसे देखते हुए देर रात से यात्रियों के लिए सभी एडवाइजरी जारी करने में जुटे रहे। इंडिगो व स्पाइसजेट ने अपने यात्रियों को कहा कि उत्तर व पूर्वी भारत के कई शहरों में दृश्यता का स्तर काफी खराब है। ऐसे में उड़ानों पर असर पड़ेगा। यात्रियों से आग्रह है कि वे एयरपोर्ट रवाना होने से पहले एक बार एयरलाइंस से उड़ान के प्रस्थान के समय की जानकारी लेते रहें।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

तीन मेट्रो लाइन, दो बस अड्डे और एक रेलवे स्टेशन की कनेक्टिविटी से सफर होगा आसान

परिवहन विशेष न्यूज

नमो भारत ट्रेन साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक यात्रा को आसान बनाएगी। यह दिल्ली मेट्रो की तीन लाइनों दो बस अड्डों और एक रेलवे स्टेशन से जुड़ेगी जिससे विभिन्न शहरों की यात्रा सुलभ होगी। इससे लाखों लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। यह मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी लोगों के सफर को आसान और सुलभ बनाएगी। इसे पीएम मोदी रविवार को हरी झंडी दिखाएंगे।

साहिबाबाद। नमो भारत ट्रेन केवल मेरठ साउथ से न्यू अशोक नगर तक का सफर ही आसान नहीं करेगी बल्कि तीन दिल्ली मेट्रो लाइन, दो बस अड्डे व एक रेलवे स्टेशन से कनेक्टिविटी होने से विभिन्न शहरों का सफर भी आसान करेगी। इससे नमो भारत ट्रेन लाखों लोगों के सफर को आसान बनाएगी। यह मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी लोगों के सफर को आसान और सुलभ बनाएगी।

दिल्ली के न्यू अशोक नगर तक संचालन होने से आनंद विहार स्टेशन पर नमो भारत की कनेक्टिविटी आनंद विहार में दिल्ली मेट्रो ब्लू व पिंक लाइन से, आनंद विहार में इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आइएसबीटी) का बस अड्डा व उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) का कौशांबी बस अड्डा और आनंद विहार रेलवे स्टेशन से हो जाएगी।

विभिन्न राज्यों के शहरों के लोगों को राहत मिलेगी

इससे केवल दिल्ली, गाजियाबाद व मेरठ जाने का सफर ही आसान नहीं होगा, बल्कि कनेक्टिविटी होने से बस अड्डों से संचालित हजारों बसों व रेलवे स्टेशन से जाने वालीं रेल गाड़ियों से प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के शहरों के लोगों को राहत मिलेगी। जिन लोगों को यहां से दिल्ली या मेरठ जाना होगा व आसानी से आ जा सकेंगे। अभी तक बस में सफर कर कौशांबी व आनंद विहार पहुंचने वाले लोगों को विभिन्न वैकल्पिक व्यवस्थाएं करनी होती हैं।

मेट्रो रेड लाइन से पहले ही हो चुकी है कनेक्टिविटी

नमो भारत ट्रेन की दिल्ली मेट्रो रेड लाइन से शहीद स्थल स्टेशन पर पहले ही कनेक्टिविटी हो चुकी है। इससे भी तीनों शहरों के लोगों को बड़ी राहत मिली थी। अब पिंक व ब्लू लाइन के जुड़ने से लोगों को और अधिक सुविधा मिलेगी। लोगों का सफर सुगम बनेगा।

कौशांबी डिपो व आनंद विहार बस अड्डे से लाखों यात्री करते हैं सफर

कौशांबी व आनंद विहार बस अड्डे से आइएसबीटी व यूपीएसआरटीसी की रोडवेज बसों से रोजाना लाखों यात्री सफर करते हैं। जो यहां विभिन्न कार्यों के लिए आते-जाते हैं। कौशांबी डिपो पर ही रोजाना 800 से 1000 बसों का डिपार्चर रहता है। इनसे करीब 40 हजार यात्री रोजाना सफर करते हैं।

दिल्ली मेट्रो की कौन-कौन सी लाइन जुड़ेंगी

ब्लू लाइनः दिल्ली के द्वारका सेक्टर 21 से वैशाली।

कुल स्टेशन 33

पिंक लाइनः लोनी शिव विहार से दिल्ली के मजलिस पार्क।

कुल स्टेशन 38

रेड लाइनः गाजियाबाद के शहीदनगर से दिल्ली के रिठाला।

कुल स्टेशन 29

ये रहेंगे नमो भारत ट्रेन के 11 स्टेशन
न्यू अशोक नगर
आनंद विहार
साहिबाबाद
गाजियाबाद
गुलधर
दुहाई
दुहाई डिपो स्टेशन
मुरादनगर
मोदीनगर साउथ
मोदीनगर नार्थ
मेरठ साउथ

दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ तक नमो भारत ट्रेन का शुभारंभ होना उत्तर प्रदेश व दिल्ली रहने वालों के लिए गर्व की बात है। इससे उद्यमी व नौकरीपेशा लोगों को सबसे ज्यादा राहत मिलेगी। बड़ी संख्या में लोग दिल्ली जाते हैं और दिल्ली से गाजियाबाद भी आते हैं। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई हैं।

-इंद्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी

कड़कड़ाती सर्दी में भी ठंडा नहीं होगा खाना, बस अपनाएं ये हैक्स

डॉ सत्यवान सौरभ

ठंड के मौसम में खाने को गरम रखने के लिए एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल करना अच्छा आइडिया है। फॉयल में भोजन को कसकर लपेटने से गर्मी को रोकने में मदद मिलती है और यह गर्मी को बाहर निकलने से रोकता है।

ठंड के मौसम में हम सभी कंबल में बैठकर गरमा-गरम खाना और ड्रिंक्स लेना पसंद करते हैं। लेकिन इस मौसम की सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि खाना तुरंत ठंडा हो जाता है और फिर उससे वह मजा नहीं आता है। सर्द मौसम में अपने भोजन को गर्म रखना एक संघर्ष की तरह लग सकता है, फिर चाहे वह आपके सूप को भापदार रखना हो या बिरयानी को गर्म रखना हो।

खासतौर से, जब बाहर ठंड हो तो कोई भी ठंडा खाना खाना पसंद नहीं करता। अब सवाल यह उठता है कि सर्दी के मौसम में खाने को किस तरह गरम रखा जाए। इसके लिए आप कुछ आसान हैक्स अपना सकती हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बता रहे हैं-

एल्युमिनियम फॉयल का करें इस्तेमाल

ठंड के मौसम में खाने को गरम रखने के लिए एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल करना अच्छा आइडिया है। फॉयल में भोजन को कसकर लपेटने से गर्मी को रोकने में मदद मिलती है और यह गर्मी को बाहर निकलने से रोकता है। यह तरीका पके हुए सामान, रोस्टेड मीट और यहां तक कि पुलाव के लिए भी कारगर है। इन्सुलेशन की एक अतिरिक्त परत के लिए, फॉयल में लिपटे बर्तन के चारों ओर एक साफ तौलिया लपेटें। यह खाने को एक घंटे तक गर्म रख सकता है।

गर्म पानी का करें इस्तेमाल

गर्म पानी की मदद से भी खाने को लंबे समय तक गर्म रखा जा सकता है। इसके लिए आप एक बड़े बर्तन या ट्रे का इस्तेमाल करें और उसमें गर्म पानी भरें। अब आप अपने खाने के कंटेनर उसमें रखें। इससे करी या दाल लंबे समय तक गरम बनी रहेगी। बस सुनिश्चित करें कि कंटेनर लीक-प्रूफ़ हों।

अच्छी क्वालिटी के इंसुलेटेड कंटेनर में करें इनवेस्ट

अपने खाने को गर्म रखने के लिए आप इंसुलेटेड कंटेनर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। सूप और स्टू के लिए थर्मस फ्लास्क से लेकर मेन कोर्स के लिए बड़े इंसुलेटेड बर्तन तक, इन कंटेनर को लंबे समय तक गर्मी बनाए रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इंसुलेटेड कंटेनर खरीदते समय आप डबल-वॉल वैक्यूम इंसुलेशन वाला कंटेनर चुनें।

घर पर बनाएं रेस्टोरेंट स्टाइल हरा-भरा कबाब, भूल नहीं पाएंगे जायका

हरा भरा वेज कबाब को पूरी तरह से ऑयल फ्री बनाने के लिए एयर फ्राई कर सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको हरे-भरे कबाब की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इसको आप हरी चटनी या फिर किसी भी डिप के साथ सर्व कर सकते हैं।

नए साल के मौके पर आप परिवार वालों को कुछ खास बनाकर खिला सकते हैं। वहीं सर्दियों के मौसम में हम सभी का कुछ चटपटा खाने का मन करता है। ऐसे में आप घर पर रेस्टोरेंट स्टाइल हरा-भरा कबाब बना सकती हैं। इसको बनाना बहुत आसान है। आप इसको बहुत ही कम तेल में फ्राई करके आसानी से घर पर हरा-भरा कबाब बना सकती हैं। इस वेज कबाब को पूरी तरह से ऑयल फ्री बनाने के लिए एयर फ्राई कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हरे-भरे कबाब की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इसको आप हरी चटनी या फिर किसी भी डिप के साथ सर्व कर सकते हैं।

हरा भरा कबाब बनाने की सामग्री

मटर- 1/2 कप
पालक- 1/2 कप
प्याज- 2
वेजिटेबल ऑयल- 4 बड़े चम्मच
जीरा- 1/2 टेबल स्पून
हरी बीन्स- 1/4 कप
जीरा पिसा हुआ- 1/2 टेबल स्पून
नमक- आवश्यकता अनुसार
धनिया पत्ती- 4 बड़े चम्मच
चाट मसाला पाउडर- 1/2 चम्मच
आलू- 2 बड़े उबले, मैश किए हुए
बेसन- 2 बड़े चम्मच
गरम मसाला पाउडर- 1 बड़ा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/2 चम्मच
लहसुन का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच
अदरक का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच
काली मिर्च- 1/2 चम्मच
काजू- 8 ग्राम

ऐसे बनाएं हरा भरा कबाब

सब्जियां पकाएं

सबसे पहले एक पैन में 2 चम्मच तेल गर्म कर लें और फिर उसमें जीरा डालकर पकने दें। जब जीरा पक जाए, तो बारीक कटा हुआ प्याज डालकर भूनें। अब पैन में मटर और कटी हुई बीन्स डालें। फिर स्वादानुसार नमक, अदरक का पेस्ट, अमचूर पाउडर, लहसुन पेस्ट, चाट मसाला, गरम मसाला और धनिया पत्ती डालें। इन सब चीजों को चलाते हुए अच्छे से मिक्स करते हुए कुछ मिनट पकाएं।

पालक डालें

जब पैन की सारी सामग्री पक जाए, तो अंत में पालक के पत्ते डालकर ढक्कन लगा दें। अब इन्हें कुछ मिनटों तक पकने दें। फिर इसे अच्छे से मिलाते हुए मिश्रण को थोड़ी देर ठंडा होने के लिए रख दें।

मिश्रण को पीस लें

इसके बाद पके हुए मिश्रण को ब्लेंडर में डालकर स्मूथ पेस्ट बना लें। फिर यह पेस्ट एक बाउल में निकाल लें।

तैयार करें आटा

अब इस पेस्ट में बेसन, मैश किए हुए आलू, काली मिर्च और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें और आटा तैयार करने के लिए अच्छे से मिलाएं।

टिक्की बनाएं

फिर आटे की छोटी-छोटी लोइ बना लें और उनको थोड़ा सा चपटाकर टिक्की का आकार दें। वहीं हर एक टिक्की के बीच एक काजू दबा दें।

कुक करें और सर्व करें

इसके बाद एक नॉन स्टिक तवे पर दो चम्मच तेल गर्म करें और उस पर टिक्की यानी की कबाब रखें। अब इसको दोनों तरफ से सुनहरा होने पर भून लें। फिर पुदीने चटनी के साथ हरा-भरा कबाब का आनंद लें।

सोते समय आप भी लेते हैं खर्राटे ?

इन 12 आसान उपायों से दूर हो जाएगा। मन रखे, जिन्हें रात को सोते समय खर्राटे लेने की आदत हो उसे खर्राटे से बचने के लिए रात को सोते समय मन को शांत व मस्तिष्क को बाहरी विचारों से मुक्त रखकर सोना चाहिए।

भरपूर पानी पीएं क्या आप जानते हैं कि शरीर में पानी की कमी से भी खर्राटे आते है। जब शरीर में पानी की कमी होती है तो नाक के रास्ते की नमी सूख जाती है। ऐसे में साइनस हवा की गति को श्वास तंत्र में पहुंचने के बीच में सहयोग नहीं कर पाता और सांस लेना कठिन हो जाता है।

ऐसे में खर्राटे की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। इसलिए सेहतमंद और खर्राटों से दूर रहने के लिए दिनभर भरपूर पानी पीएं

वजन कम करें अधिकतर मोटे लोग ही खर्राटों की समस्या के शिकार होते हैं।

गले के आप-पास अधिक वसा युक्त कोशिकाएं जमा होने से गले में सिकुड़न होती है और खर्राटे की ध्वनि निकलती है। अगर आप भी खर्राटों से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अपना वजन कम करने के उपाय करें।

करवट से सोएं पीठ के बल सोना वैसे तो आदर्श तरीका होता है लेकिन इस मुद्रा में सोने से खर्राटों की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में खर्राटों से बचने के लिए आप अगर करवट के बल सोएंगे तो खर्राटों की आशंका कम होगी।

धूम्रपान से बचें धूम्रपान से खर्राटों की संभावना अधिक होती है। धूम्रपान वायुमार्ग की झिल्ली में परेशानी पैदा करता है और इससे नाक और गले में हवा पास होना रूक जाती है। इसलिए अगर आपको खर्राटों की समस्या हैं तो धूम्रपान छोड़ दें।

नींद की गोलियों से बचें नींद की गोलियों मांसपेशियों पर विपरीत प्रभाव डालती है।

सोने के लिए अगर आप शराब, नींद की गोलियों या अन्य दवाईयों का इस्तेमाल करते है तो बंद कर देना चाहिए। क्योंकि इससे भी खर्राटे आते है।

सोने का समय नियमित रूप से एक ही समय पर सोएं। सोते समय अपने शरीर को पूर्ण आराम दें तथा सोते समय ध्यान रखें कि किसी भी अंग पर जोर न पड़ें।

एक्सरसाइज करें जिस तरह से बॉडी की एक्सरसाइज करने से सारी मांसपेशियां मजबूत होती है।

उसी तरह खर्राटों को कम करने के लिए गले की मांसपेशियों की एक्सरसाइज होती है।

नमक कम खाएं नमक की अधिकता शरीर में ऐसे तरल पदार्थ का निर्माण करता है जिससे नाके के छिद्र में बाधा उत्पन्न होती है और खर्राटे आने लगते है। शोधकर्ता प्रोफेसर जिम हॉर्न के अनुसार, डाइट से नमक कम करके गले की भीतरी सूजन को कम करने में मदद मिलती है जिससे खर्राटे को रोकना आसान हो जाता है।

सिर ऊंचा करके सोएं अगर आपको खर्राटे की समस्या है तो आपको सोते समय सिर को थोड़ा ऊंचा करके सोना चाहिए। ऐसा करने से खर्राटे की समस्या से बचा जा सकता है।

शरीर को पूर्ण आराम सोते समय अपने शरीर को पूर्ण आराम दें तथा सोते समय ध्यान रखें कि किसी भी अंग पर जोर न पड़ें।

भोजन की मात्रा कम लें रात को सोने से पहले ज्यादा भोजन करने से भी खर्राटे की समस्या होती है।

अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो सोने से पहले हल्का और कम भोजन करें, साथ ही साथ अधिक देर तक जागने से भी बचे।

सर्दियों में हल्दी शॉट्स पीने से स्किन बनती हैं ग्लोइंग, जानें कैसे बनाएं और इसके फायदे

सर्दियों में हम सभी अपनी स्किन को क्या-क्या नहीं करते हैं। अगर आप भी सर्दी में ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं तो हल्दी शॉट्स को पीना शुरू कर देना चाहिए। सेहत और स्किन के लिए भी यह काफी फायदेमंद है। आइए आपको इसके फायदे बताते हैं।

हर भारतीय किचन में मसाले का प्रयोग किया जाता है। इन्हीं मसालों में से एक हल्दी का इस्तेमाल खाने से रंगत बढ़ाने के लिए किया जाता है। हल्दी स्किन और सेहत के लिए फायदेमंद होती है। आयुर्वेद में हल्दी को बहुत ही गुणकारी माना जाता है। क्योंकि हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, विटामिन-सी, पोटैशियम, जिंक और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इस समय मार्केट में कच्ची हल्दी मिलना शुरु हो जाती है। ठंड स्किन को चमकदार बनाने के लिए हेल्दी शॉट्स पी सकते हैं।

हल्दी **शॉट्स** पीने के फायदे

स्किन डिटॉक्सिफाई

हल्दी शॉट्स पीने से शरीर से टॉक्सिन को साफ करने में मदद करती है। यह स्किन में चमक लाती है और हेल्थ सुधार लेकर आता है।

प्राकृतिक ग्लो के लिए फायदेमंद है

हल्दी में करक्यूमिन से भरपूर होती है, यह यौगिक जो स्किन को चमकदार बनाने और पिग्मेंटेशन को कम करने के लिए जिम्मेदार होता है। प्रतिदिन हल्दी पीने से आपका रंग निखर सकता है और स्किन भी ग्लोइंग होगी।

मुहंसों और सूजन में फायदेमंद

हल्दी मुंहासों और सूजन से लड़ने में मदद करता है। इसके सूजन रोधी गुण मुंहासों या जलन के कारण होने वाली रेडनेस और सूजन क दूर करता है।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

हल्दी में एंटीवायरल गुण होते हैं, ये इम्यून सिस्टम को भी बूस्ट करता है। इतना ही नहीं, ये शॉट्स शरीर में ग्लूकोज के लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है।

कैसे बनाएं हल्दी शॉट्स

- इसके लिए एक छोटा टुकड़ा ताजी हल्दी की जड़ कसी हुई।
- 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस
- 1 चम्मच शहद
- 1 चुटकी काली मिर्च
- 1/4 कप गुनगुना पानी

इसको बनाने के लिए आप एक कप गुनगुने पानी में कद्दूकस की हुई हल्दी को मिलाएं। अब इसमें नींबू का रस, शहद, काली मिर्च डालें। इसको अच्छे से मिक्स करें। कुछ देर के लिए रखें और अब इसे छानकर पानी पिएं।

अपनी खुशियों को वहां ढूंढना बंद करें जहां आपने उन्हें खोया था,

क्योंकि हमेशा छीनने वाले दुष्ट लोग कभी भी कुछ भी देने के काबिल ही नहीं होते

क़लमकार। यह वाक्य एक गहरी समझ को व्यक्त करता है कि हमें अपनी खुशियों को उन स्थानों या परिस्थितियों में कभी भी ढूंढने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, जहां हम उन्हें झूठे, मतलबी, धोखेवाज़, लालची, शातिर और अपना झंडा गाड़ने बालों के कारण पहले खो चुके थे। ईमानदारी से अपना काम करने के बाद भी ज़ब आपको सम्मान और साथ ना देते हुये जब कोई चीज़ हमसे छीन ली जाती है, तो उसे फिर से हमें वही मतलबी, धोखेवाज़, मक्कार, लालची और शातिर व्यक्ति या स्थान नहीं दे सकता जो पहले उसने छीन ली थी। इसका मतलब यह है कि हमें अपनी खुशी को उनसे बहुत दूर रहकर नए दृष्टिकोण और नए स्रोतों में खोजने की जरूरत है, बजाय इसके कि हम कड़वे अतीत में वापसी करें और फिर से उनकी धोखेवाज़ी और मक्कारी को फालतू में सहे। कुल मिलाके बात ये हैं कि ऐसे फरेवी और मक्कार किस्म के दुष्ट लोगों से दूर ही रहें। यह जीवन को सशक्त एवं आगे बढ़ाने और मानसिक सुकून बनाने की प्रेरणा देता है।

दुपट्टे से बदल जाएगा आपका पूरा लुक, बस खरीदते समय इन टिप्स को करें फॉलो

जब आप दुपट्टा खरीद रही हैं तो आपको उसके फैब्रिक का ख्याल रखना चाहिए। मसलन, कॉटन या खादी डेलीवियर और गर्मियों के लिए बिल्कुल सही है। वहीं, सिल्क या शिफॉन त्यौहारों के मौकों के लिए एकदम बढ़िया है।

-प्रियंका सौरभ

सूट हो या लहंगा, दुपट्टा आपके स्टाइल को पूरी तरह से बदल सकता है। यह आपके सिंपल से आउटफिट को एक पार्टी लुक देता है। इतना ही नहीं, दुपट्टे की मदद से आप कलर कंट्रास्टिंग कर सकती हैं या फिर अपने लुक को एकदम डिफरेंट टच दे सकती हैं। अमूमन आउटफिट के साथ दुपट्टा मिल जाता है, लेकिन अक्सर हम इसे अलग से खरीदना भी पसंद करते हैं। मार्केट में दुपट्टे के कलर से लेकर फैब्रिक व पैटर्न आदि में काफी वैरायटी मिलती है। इसलिए, अक्सर इसे खरीदते समय हमें काफी दुविधा होती है।

हो सकता है कि आप भी अपने आउटफिट के साथ दुपट्टा पहनना चाहती हों और इसलिए एक नया दुपट्टा खरीदा चाहती हों। हालांकि, ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने लिए एक परफेक्ट दुपट्टा खरीद सकती हैं-

फ़ैब्रिक का रखें ख्याल

जब आप दुपट्टा खरीद रही हैं तो आपको उसके फैब्रिक का ख्याल रखना चाहिए। मसलन, कॉटन या खादी डेलीवियर और गर्मियों के लिए बिल्कुल सही है। वहीं, सिल्क या शिफॉन त्यौहारों के मौकों के लिए एकदम बढ़िया है। अगर आप सेमी-फॉर्मल इवेंट के लिए दुपट्टा खरीद रही हैं तो आप जॉर्जेट दुपट्टा चुनें। वहीं, सर्दियों के लिए पश्मीना या ऊनी फैब्रिक के दुपट्टे को चुना जा सकता है।

कलर का कमाल

दुपट्टे को खरीदते समय उसका कलर भी बहुत अधिक मायने रखता है। आप सोच-समझकर कलर को चुनें। मसलन, न्यूट्रल शेड्स जैसे सफ़ेद, क्रीम और पेस्टल कलर वर्सेटाइल है और उन्हें अधिकतर आउटफिट के साथ पेयर किया जा सकता है। वहीं, बोल्ड और ब्राइट कलर जैसे रेड, येलो और ग्रीन आपके सिंपल आउटफिट को भी स्टनिंग बना देते हैं।

पैटर्न भी रखता है मायने

जब आप दुपट्टा खरीद रही हैं तो उसका डिजाइन या पैटर्न भी बहुत मायने रखता है। ध्यान दें कि वह आपके आउटफिट के साथ मेल खाए। मसलन, प्लेन दुपट्टे हैवी या प्रिंटेड आउटफिट के साथ अच्छे लगते हैं। वहीं, कढ़ाई या ज़री के काम वाले दुपट्टे शादियों या त्यौहारों के मौकों के लिए बिल्कुल सही है। प्रिंटेड दुपट्टे प्लेन कुर्ते के साथ अच्छे माने जाते हैं।

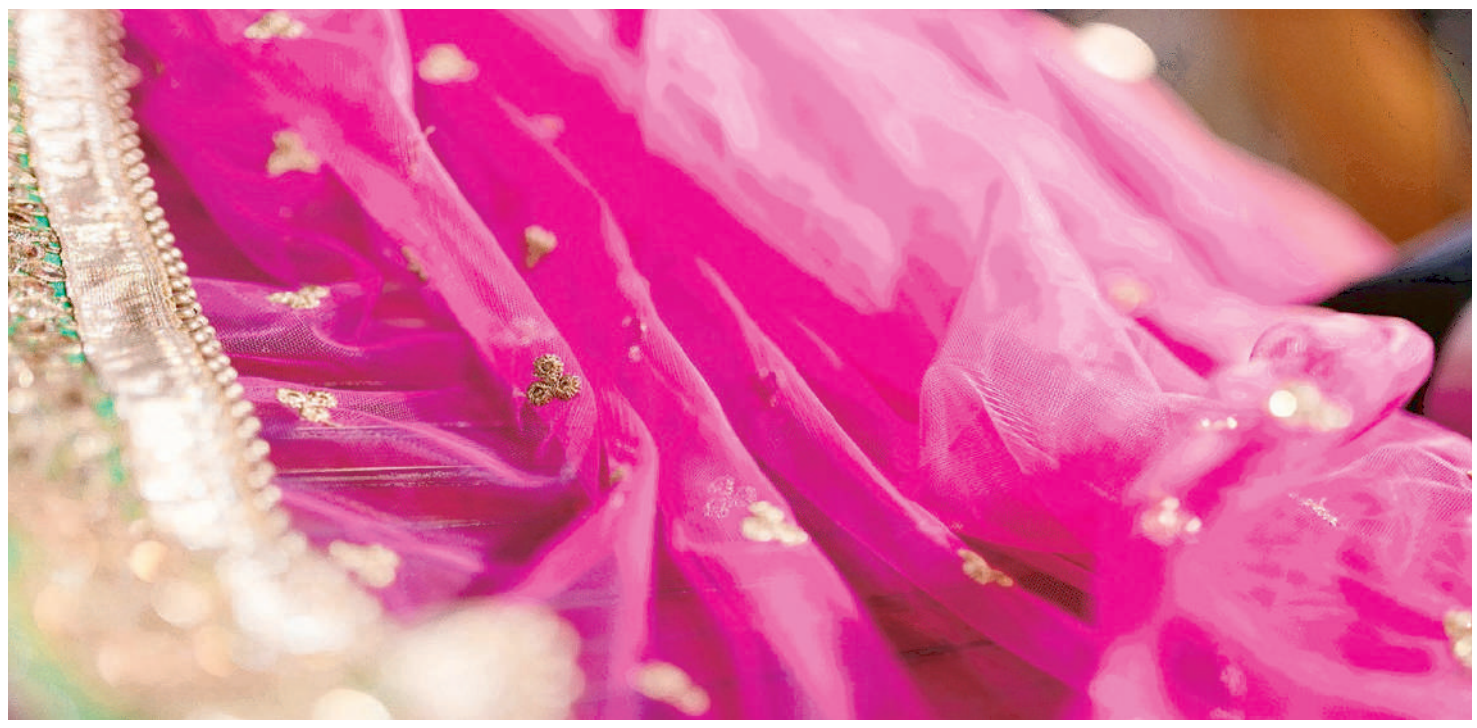

प्रियंका गांधी पर रमेश बिधूड़ी का विवादित बयान, कांग्रेस बोली- ये घटिया मानसिकता और आरएसएस के संस्कार

सुषमा रानी

कालकाजी से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने आज कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी पर विवादित बयान दिया। बिधूड़ी की आपत्तिजनक टिप्पणी पर कांग्रेस ने हमला बोला है। कड़ी आलोचना करते हुए पार्टी ने इसे शर्मनाक और भाजपा की महिला विरोधी मानसिकता बताया। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि बिधूड़ी का बयान उनकी घृणित मानसिकता को दर्शाता है।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए कालकाजी से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने आज कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी पर विवादित बयान दिया। बिधूड़ी की आपत्तिजनक टिप्पणी पर कांग्रेस ने हमला बोला है। कड़ी आलोचना करते हुए पार्टी ने इसे 'शर्मनाक' और भाजपा की महिला विरोधी मानसिकता बताया।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वायनाड से कांग्रेस की लोकसभा सांसद के खिलाफ बिधूड़ी का बयान न केवल शर्मनाक है, बल्कि महिलाओं के प्रति उनकी 'घृणित' मानसिकता को भी दर्शाता है। उन्होंने बिधूड़ी द्वारा एक साथी सांसद के खिलाफ पहले भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का जिक्र किया, जिसके लिए उन्हें कोई सजा नहीं मिली।

भाजपा माफी मांगेः कांग्रेस

श्रीनेट ने आगे कहा कि महिला विकास मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित पार्टी की महिला नेताओं को इस तरह की टिप्पणियों के बारे में बोलना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इसपर बयान देने को कहा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा को अपने नेता के बयान पर माफी मांगनी चाहिए।

सुप्रिया श्रीनेत ने पोस्ट में कहा, भाजपा घोर महिला विरोधी है। प्रियंका गांधी के बारे में रमेश बिधूड़ी का बयान न केवल शर्मनाक है, बल्कि महिलाओं के प्रति उनकी घृणित मानसिकता को भी दर्शाता है। लेकिन एक ऐसे व्यक्ति से और क्या उम्मीद की जा सकती है जिसने सदन में अपने साथी सांसद के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और उसे कोई सजा नहीं मिली? यह भाजपा का असली चेहरा है।

यही RSS के संस्कार

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी भाजपा नेता पर हमला बोला है। खेड़ा ने कहा कि बिधूड़ी का बयान उनकी घटिया मानसिकता और आरएसएस के संस्कार दिखाता है।

प्रियंका के खिलाफ क्या बोले रमेश बिधूड़ी?

आप सांसद संजय सिंह द्वारा एक्स पर साझा किए गए रमेश बिधूड़ी के एक वीडियो में वो ये कहते हुए सुने जा सकते हैं कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो वे कालकाजी की सभी सड़कों को ₹प्रियंका गांधी के गालों₹ जैसा बना देंगे।

रमेश बिधूड़ी का बयान समूची नारी जाति का अपमान। - देवेन्द्र यादव, काजी निजामुद्दीन

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा के कालका जी विधानसभा के प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी ने कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गाँधी जो नारी सशक्तिकरण की मुखर आवाज़ उठाती है उनके संदर्भ में जो बेहद अभद्र और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया हैं, वो घोर निंदनीय हैं। प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने संयुक्त रुप से कहा कि रमेश बिधूड़ी का यह वक्तव्य समूची भारतीय जनता पार्टी की महिलाओं के प्रति निकृष्ट सोच का परिचायक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मांग करती है कि अगर उनकी पार्टी और नेताओ के मन में महिलाओं के प्रति तनिक भी आदर है तो रमेश बिधूड़ी सार्वजनिक रुप से मांगी मांगे। ताकि महिलाओं के आत्मसम्मान की रक्षा की जा सके।

ओल्ड राजेंद्र नगर में सिविल सर्विसेज के छात्रों को मिली 'आरंभ' लाइब्रेरी की सौगात, LG सक्सेना ने किया उद्घाटन

सुषमा रानी

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में डीडीए ने यूपीएससी के छात्रों के लिए आधुनिक और खुली रहने वाली लाइब्रेरी आरंभ का उद्घाटन किया। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। यह लाइब्रेरी छात्रों को सुरक्षित और सुविधाजनक पढ़ाई का माहौल प्रदान करेगी। इसमें कैफेटेरिया लाकर पावर प्लग एयर कंडीशनिंग समाचार पत्र पत्रिकाएं और अलग-अलग शौचालय जैसी सुविधाएं हैं।

नई दिल्ली। ओल्ड राजेंद्र नगर में डीडीए ने यूपीएससी के प्रतियोगी छात्रों को पहली आधुनिक और खुली रहने वाली लाइब्रेरी 'आरंभ' की सौगात दी है। इसका उद्घाटन उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने किया। ओल्ड राजेंद्र नगर में देशभर से आए बड़ी संख्या में छात्र यूपीएससी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं।

पिछले वर्ष जुलाई में राजेंद्र नगर के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट की लाइब्रेरी में जलभराव से हुई त्रासदी में तीन प्रतियोगी छात्रों की जान चली गई थी। तब, उपराज्यपाल ने छात्रों को किफायती और सुरक्षित लाइब्रेरी उपलब्ध कराने का वादा किया था। उन्होंने उस समय प्रदर्शनकारी छात्रों को आश्वासन दिया था कि वे जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करेंगे।

लाइब्रेरी आरंभ के उद्घाटन अवसर पर नई दिल्ली से लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज, डीडीए के उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर उपराज्यपाल ने कुछ छात्रों को लाइब्रेरी का सदस्यता कार्ड भी दिए। उपराज्यपाल ने कहा कि छात्रों को सुरक्षित और सुविधाजनक पढ़ाई का माहौल प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह की लाइब्रेरी शुरू की जाएंगी।

लाइब्रेरी की विशेषताएं

यह लाइब्रेरी छात्रों के लिए एक सुसज्जित और किफायती अध्ययन स्थल प्रदान करती है। लाइब्रेरी में कैफेटेरिया, लाकर, सभी सीटों पर पावर प्लग, एयर कंडीशनिंग, समाचार पत्र और पत्रिकाएं, पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, पढ़ने और बाहर बैठने की सुविधा जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

एक साथ बैठ सकेंगे 60 से अधिक छात्र

लाइब्रेरी में एक समय में 60 से अधिक छात्रों के बैठने और चौबीसों घंटे 200 से अधिक लोगों के लिए जगह है। लाइब्रेरी की फीस बाजार दर से लगभग छठे हिस्से में रखी गई है, जिससे यह छात्रों के लिए किफायती बनती है। सुरक्षा के लिहाज से लाइब्रेरी सीसीटीवी की निगरानी में है और वाईफाई की सुविधा भी उपलब्ध है। उद्घाटन के समय लाइब्रेरी की 85 प्रतिशत सीटें पहले ही छात्रों द्वारा आरक्षित की जा चुकी थीं।

पांच सामुदायिक केंद्रों में बनेगी आधुनिक लाइब्रेरी

डीडीए ने उपराज्यपाल के निर्देश पर अपने कम उपयोग वाले सामुदायिक केंद्रों और हालों को लाइब्रेरी और वाचनालय में बदलने की योजना बनाई है। इस योजना के तहत पांच सामुदायिक केंद्रों को चयनित किया गया है जो अधचीनी, विकासपुरी, द्वारका सेक्टर-16बी और रोहिणी में स्थित हैं। इन केंद्रों पर 40 से 60 छात्रों के बैठने की क्षमता वाली लाइब्रेरी बनाई जाएगी।

"पिछले 10 साल के सफर में में हमने दिल्ली के विकास और दिल्लीवालों के हितों को सर्वोपरि रखा और कोई काम रुकने नहीं दिया : केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली, केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार द्वारा मिलकर नई मेट्रो लाइन और आरआरटीएस का उद्घाटन करने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ₹आपऱ पर लड़ने का आरोप लगाने वालों को तगड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी केवल दिल्ली के लोगों के लिए काम करती है। रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी और दिल्ली की सीएम आतिशी द्वारा संयुक्त रूप से रिठाला से कोंडली नई मेट्रो लाइन व साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक पहले आरआरटीएस स्ट्रेच का उद्घाटन और जनकपुरी वेस्ट से लेकर कृष्णा पार्क तक मेट्रो लाइन का शिलान्यास करना इस बात का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने हमारी पार्टी के शीर्ष नेताओं को जेल भेजा, हम पर अत्याचार किया, अगर हम इसे मुद्दा बनाते तो आज केंद्र और दिल्ली सरकार की आरआरटीएस और मेट्रो लाइन का उद्घाटन नहीं होता। इस दौरान वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज भी मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि रविवार को दिल्ली को एनसीआर से जोड़ने वाली आरआरटीएस की साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक के पहले चरण का उद्घाटन हुआ है, रिठाला से कोंडली नई मेट्रो लाइन का उद्घाटन हुआ और कृष्णा पार्क से जनकपुरी वेस्ट की नई मेट्रो लाइन का शिलान्यास किया गया है। मैं इन तीनों प्रोजेक्ट्स के लिए दिल्ली के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। इन प्रोजेक्ट्स का आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक साथ मिलकर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार ने मिलकर उद्घाटन किया है। यह तीनों प्रोजेक्ट्स दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के जॉइंट वेंचर हैं। जो लोग यह आरोप लगाते हैं कि आम आदमी पार्टी लड़ती बहुत है, इन तीनों प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन उन लोगों को जवाब है कि आम आदमी पार्टी केवल और केवल दिल्ली के लोगों के लिए काम करती है।

अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि नई मेट्रो लाइन के शुरू होने एवं एक और लाइन के शिलान्यास की सभी दिल्लीवासियों को बधाई। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद दिल्ली मेट्रो का तेज़ी से विस्तार हुआ है। अब तक 200 किमी का विस्तार हो चुका है और 250 किमी पर काम जारी है।

उधर, दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा कि मैं सबसे पहले दिल्ली के लोगों को बधाई देना चाहूंगी। आज दिल्ली में आरआरटीएस की लाइन का उद्घाटन हुआ है। आरआरटीएस जो केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, यूपी सरकार, हरियाणा सरकार मिलकर एनसीआर रीजन को दिल्ली से जोड़ने का काम कर रही हैं। आज साहिबाबाद से लेकर न्यू अशोक नगर तक पहला आरआरटीएस स्ट्रेच का उद्घाटन है। दिल्ली सरकार ने भी दिल्ली से मेरठ तक बन रही आरआरएस लाइन में 1260 करोड़ रुपए का निवेश किया है क्योंकि इससे दिल्ली का आर्थिक विकास होगा।

सीएम आतिशी ने कहा कि आज दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के जॉइंट वेंचर दिल्ली मेट्रो के रिठाला से लेकर कोंडली तक के फेज-4 की नई लाइन का शिलान्यास हुआ है। जनकपुरी वेस्ट से लेकर कृष्णा पार्क तक की मजेंटा लाइन का उद्घाटन हुआ है। दिल्ली में पिछले दस साल से युद्ध स्तर पर दिल्ली मेट्रो का विस्तार हुआ है। दस साल में 200 किलोमीटर की मेट्रो की लाइन बन गई है। 250 किलोमीटर की मेट्रो लाइन अभी निर्माणाधीन है और दिल्ली सरकार ने इन दस सालों में दिल्ली मेट्रो में 7268 करोड़ रुपए का निवेश किया है। मुझे खुशी है कि अब दिल्ली सार्वजनिक परिवहन और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन का एक मॉडल बनकर देश और दुनिया के सामने उभरकर आ रही है।

आप के राष्ट्रीय व राज्य स्तर के नेताओं ने कांग्रेस का दामन थामा

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में विश्वास जताते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेता रघु रेन्द्र पठानिया और मोनिया सिंह ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस की सदस्य ग्रहण की। देवेन्द्र यादव ने आम आदमी पार्टी से कांग्रेस में शामिल होने वाले लोगों को पार्टी का पटका पहनाकर उनका कांग्रेस संगठन में स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रभारी सुखविंदर सिंह डैनी और दानिश अबरार, डूसू अध्यक्ष रौनक खत्री, सहित के.बी. सिंह भी मौजूद थे।

उन्होंने बताया रघु रेन्द्र पठानिया नार्थ आप पार्टी में वेस्ट लोकसभा अध्यक्ष, नेशनल काउंसिल के सदस्य, दिल्ली के एसटी/एससी विंग के अध्यक्ष, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश के बूथ मैनेजमेंट व पब्लिसिटी मैनेजर की जिम्मेदारी सहित दिल्ली नगर निगम चुनाव 2017 सलेक्शन कमेटी के सदस्य थे और राजबाला पठानिया, मोनिया सिंह बादली जिला के महिला विंग के अध्यक्ष और बादली विधानसभा के जहांगीरपुरी वार्ड की 2017 निगम चुनाव की प्रत्याशी रही।

यादव ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी से आप कार्यकर्ताओं और नेताओं का मोह भंग हो रहा है और मंत्री, विधायक, विधानसभा प्रत्याशी, निगम पार्षद, निगम प्रत्याशी, आम आदमी पार्टी संगठन के पदों पर जिम्मेदारी निभाने वाले धीरे-धीरे केजरीवाल का साथ छोड़ रहे है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा, आदर्श, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के देश की जनता के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष से प्रभावित होकर देश सहित दिल्ली में भी विभिन्न राजनीतिक पार्टियों, पेशेवर और आम जनता कांग्रेस के साथ जुड़ रही है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी में व्याप्त अरविन्द केजरीवाल के अहंकार, तानाशाही, भ्रष्टाचार, कुशासन, जनता की अनदेखी, निष्क्रियता के कारण इनकी पार्टी के छोड़े बड़े नेता पार्टी को छोड़कर भाग रहे है। क्योंकि भाजपा की भांति आम आदमी पार्टी में भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नही है जबकि कांग्रेस पार्टी में सभी को बराबर का अधिकार व अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के 15 वर्षों के शासन और बढ़ती लोकप्रियता के चलते आम आदमी पार्टी और भाजपा के कार्यकर्ता हर कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए हमें सम्पर्क कर रहे है और सभी औपचारिकताओं को पूरा होने बाद दूसरे दलों से आने वालों को कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई जा रही है।

अंधेर नगरी के माध्यम से बच्चों ने किया व्यवस्था पर कटाक्ष

नई दिल्ली। उड़ान—द सेंटर आफ थियेटर आर्ट एंड चाइल्ड डवलपमेंट की ओर से आयोजित बाल रंगमंच प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रशिक्षु बच्चों द्वारा मंचित नाटक अंधेर नगरी में मासूम बच्चों ने व्यवस्था पर तीखा कटाक्ष किया और अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। उड़ान—द सेंटर आफ थियेटर आर्ट एंड चाइल्ड डवलपमेंट की ओर से राजधानी दिल्ली के मदर डिवाइन पब्लिक स्कूल में संस्था के निदेशक संजय टुटेजा के निर्देशन में आयोजित बाल रंगमंच प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रशिक्षु बच्चों ने भारतेंदु हरिशचन्द्र द्वारा लिखित नाटक अंधेर नगरी का मंचन किया। नाटक का निर्देशन पूजा व सनवाल सहगल ने किया जबकि नीलाक्षी नाटक की सह निर्देशक रही। समाजसेवी व उद्यमी संजय गुप्ता तथा स्कूल के एस्टेट हैड मनोज वर्मा नाटक के मुख्य अतिथि रहे। नाटक में बच्चों ने अपनी अभिनय प्रतिभा की अमिट छाप दर्शकों पर छोडी और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अभिनय की दृष्टि से राजा की भूमिका में भानूजा, राजकुमारी की भूमिका में कान्या बावेजा, बाबा की भूमिका में आकर्ष, गोवधर्न दास की भूमिका में मानित व पुरुषोत्म दास की भूमिका में वंश, सूत्रधार व फरियादी बने प्रणव, मंत्री व सूत्रधार बनी वेदिका व प्रणिका एवं मंत्री व कोतवाल बनी जिया ने सशक्त अभिनय किया तो साथ ही अन्य कलाकारों में आदविक व लविश ने भी अपनी भूमिका के साथ न्याय किया। अंत में सभी बाल कलाकारों को ट्राफी भेंट कर पुरुस्कृत किया गया।

9 जनवरी, 2025 तक रोजाना 11 बजे से शाम 8 बजे तक चलेगी प्रदर्शनी

सुषमा रानी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी के दिल कहे जाने वाले जनपथ स्थित नेशनल सेंटर फॉर हेरिटेज टेक्सटाइल (हैंडलूम हाट) में ₹कारीगरीः प्रदर्शनी₹ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी भारत के विभिन्न प्रांतों के हस्तशिल्प एवं हथकरघा उत्पादों की उत्कृष्टता का अद्वितीय प्रदर्शन है। इस आयोजन का सूत्रपात अंबपाली हस्तकरघा और हस्तशिल्प बहुराज्यीय सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य भारतीय कारीगरों की सृजनशीलता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाना है। आयोजक संस्था की अध्यक्ष अर्चना सिंह ने बताया कि ₹भारतीय हैंडलूम इंडस्ट्रीज हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह न केवल लाखों कारीगरों के जीवन-यापन का आधार है, अपितु हमारी सभ्यता और संस्कृति का जीवंत स्वरूप भी है। ऐसे आयोजन इस उद्योग को प्रोत्साहन देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही उन्होंने कहा, ₹भारतीय हैंडीक्राफ्ट्स अपनी अद्वितीयता और गुणवत्तापूर्ण कृतियों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। 'कारीगरी' जैसे आयोजन कारीगरों को प्रोत्साहित करते हैं और उनके उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने का माध्यम बनते हैं।₹ उन्होंने कहा, ₹कारीगरों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना एवं उन्हें नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है।

इस प्रदर्शनी में भारत के विभिन्न राज्यों जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, और आंध्र प्रदेश से आए कारीगरों द्वारा अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इनमें बनारसी साड़ी, कांचीपुरम सिल्क, राजस्थान के ब्लॉक प्रिंट, कश्मीर के पश्मीना शॉल, मध्य प्रदेश के चंदेरी एवं महेश्वरी वस्त्र, उत्तर-पूर्व के बाँस हैंडीक्राफ्ट, खाद्य पदार्थों से संबंधित उत्पाद एवं अन्य हस्तनिर्मित कृतियाँ सम्मिलित हैं।

प्रदर्शनी में 60 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें हैंडीक्राफ्ट्स, हैंडलूम्स एवं एग्रो प्रोडक्ट्स का समावेश है। दर्शकों में इन उत्पादों के प्रति विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यह प्रदर्शनी 9 जनवरी 2025 तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से शाम 8 बजे तक निःशुल्क जनसामान्य के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी में हर दिन देश की विविधता को दर्शाते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है।

'कारीगरी' प्रदर्शनी भारतीय हैंडीक्राफ्ट्स एवं हैंडलूम्स उद्योग के गौरव का जीवंत प्रतिबिंब है। यह न केवल कारीगरों को मंच प्रदान करती है, अपितु दर्शकों को भारतीय कला और संस्कृति के निकट लाने का प्रयास भी करती है।

इसके साथ ही नियमित रूप से यहां प्रतिदिन ₹संयम संवाद फाउंडेशन₹ के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए जा रहे हैं। वहीं, बच्चों के मनोरंज के लिए झूलों का भी इंतजाम है!

गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष में नगर कीर्तन का आयोजन

गुरु गोबिन्द सिंह के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष पर नगर कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा, पूर्व निगम पार्षद वीणा वरमानी, गुलशन वरमानी, विमल भयाना का गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा मानसरोवर गार्डन की ओर से स्वागत किया गया। गुरु गोबिन्द सिंह के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष पर नगर कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें पांच प्यारों का स्वागत नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने अपने साथियों के साथ किया।

गुरु गोविंद सिंह जी का प्रकाश पर्व 6 जनवरी 2025-वाहेगुरु जी दा खालसा वाहेगुरु जी दी फ़तेह

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

वैश्विक स्तरपर सारी दुनियाँ में जहां भी बाबा गुरु नानक देव जी के अनुयाई विशेष रूप से सिख, सिंधी या अन्य भाषी भारतीय मूल के लोग निवास करते है,वहां गुरु नानक देव व गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को जरूर मनाया जाता है, जो इस वर्ष सोमवार दिनांक 6 जनवरी २०२५ को मनाया जा रहा है, अनेक शहरों में यह पर्व ३ दिवसीय हो रहा है जिसमें प्रभात फ़ेरी शोभायात्रा के रूप में बाबा जी की सवारी निकाली जा रही है, जैसे पटना में जो गुरु गोविंद सिंह का जन्म स्थल है वहां पर 4 से 6 जनवरी २०२५ को प्रकाशपर्व शुरू हो गया है, जहाँ पूरे भारत के अनेक अनुयाई प्रकाशपर्व उत्सव में भाग लेते है, जहां रांची से अनेक भागों में 350 यात्रियों का जत्था भी पटना आ रहा है। वैसे ही पूरे देश व विदेशों से भी श्रद्धालु शामिल होते है हमारी गोंदिया राइस सिटी में भी दिनांक 4 जनवरी २०२५ को प्रकाशपर्व उत्सव के उपलक्ष में एक भव्य शोभायात्रा यात्रा निकाली गई जिसमें मैं प्रत्यक्ष रूप सेउपस्थित था, जिसमें बड़ी संख्या में सिख व सिंधी भाई शामिल थे, एक रथ में गुरु ग्रंथ साहिब विराजमान थे व माताएं बहने भजन गा रही थी, अन्य भाई पारंपरिक वेशभूषा में कमाल के करिश्में दिखाते हुए झूम रहे थे पूरे पथों पर गुरु ग्रंथ साहिब के रथ के नीचे फूलों की चादर सी बिछाई जा रही थी,पथ पर जल छिड़ककर पवित्र किया जा रहा था। हर चौक पर प्रसाद वितरण हो रहा था मुझे बहुत आनंद आया व ऐसी ही यात्रा करीब-करीब दुनियाँ के हर देश व शहर में निकालकर गुरु गुरु गोविंद सिंह साहब जी का प्रकाशपर्व मनाया जा रहा है,जिसमें 6 जनवरी २०२५ को गुरुद्वारों में विशेष कार्यक्रम हो रहे है। पूरे देश-विदेश के शहरों में जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल, वाहे गुरु जी दा खालसा वाहे गुरु जी दी फतेह, चिड़िया नाल ते बाज लड़ावां, तां गोबिंद सिंह नाम धरावां आदि गुरुजी के जयकारे गूंज रहे थे। नगर कीर्तन में शामिल श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखकर पूरा वातावरण गुरुमय हो गया था। चूँकि गुरु नानक देव गुरु गोविंद सिंह का प्रकाश पर्व आज भी उनके हर अनुयाई के हृदय में जोश व आत्मविश्वास का संचार करता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, गुरु गोविंद सिंह प्रकाश पर्व विशेष 6 जनवरी २०२५, वाहेगुरु जी दा खालसा वाहेगुरु जी दी फतेह, इस आर्टिकल में दिए तथ्य मीडिया से लिए गए है जिनकी सटीकता का प्रमाण नहीं है, परंतु शोभायात्रा में मैं खुद उपस्थित था।

साथियों बात अगर हम गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व व इस त्यौहार की तिथि व महत्व की करें तो,प्रकाश पर्व सिख धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है,जिसे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। सिख धर्म में कुल दस गुरु हुए है और इनमें से दो प्रमुख गुरुओं, गुरु नानक देव जी और गुरु गोबिंद सिंह जी के जन्मदिवस को विशेष रूप से प्रकाश पर्व या प्रकाश उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व न केवल सिख समुदाय के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। साल २०२५ में गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व 6 जनवरी, सोमवार को मनाया जा रहा है। गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म २२ दिसंबर 1666 को पटना, बिहार में हुआ था। उन्होंने मात्र दस वर्ष की आयु में गुरु की गद्दी संभाली और सिख धर्म के दसवें और अंतिम गुरु बनें इनका जन्म पौष माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को हुआ था। नानकशाही कैलेंडर के अनुसार, यह तिथि हर साल बदलती रहती है, लेकिन इस अवसर को पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ मनाया जाता है। प्रकाश पर्व का अर्थ है- अंधकार को दूर कर सत्य, ईमानदारी, और सेवा का प्रकाश फैलाना। गुरु नानक देव जी और गुरु गोबिंद सिंह जी ने समाज में ज्ञान, सत्य, और न्याय का प्रकाश फैलाया। उन्होंने लोगों को यह सिखाया कि जीवन में सत्य और धर्म का पालन करना ही सच्चा प्रकाश है। इस दिन गुरुद्वारों को भव्य तरीके से सजाया जाता है, नगर कीर्तन निकाले जाते है, और श्रद्धालु अरदास, भजन-कीर्तन, तथा प्रभात फेरी में शामिल होकर गुरु जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

साथियों बात अगर हम गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की करें तो,उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना बैसाखी के दिन की थी। यह एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसने सिख धर्म को एक नई दिशा और पहचान दी। खालसा पंथ का मुख्य उद्देश्य अन्याय, अत्याचार और अंधकार को समाप्त करना था इन्होंने मुगलों और उनके अत्याचारियों के खिलाफ कई लड़ाइयाँ लड़ीं। उन्होंने कभी अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया और न ही अपने अनुयायियों को झुकने दिया। उन्होंने सिखों को आत्मसम्मान और निडरता का पाठ पढ़ाया इनकी प्रसिद्ध वाणी वाहेगुरु जी दा खालसा, वाहेगुरु जी दी फतेहआज भी हर सिख के हृदय में जोश और आत्मविश्वास का संचार करती है। गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती को प्रकाश पर्व इसीलिए कहते है क्योंकि प्रकाश पर्व या प्रकाश उत्सव का अर्थ है मन से बुराइयों को दूर करते उसे सत्य, ईमानदारी, और सेवाभाव से प्रकाशित करना गुरु नानक देव और गुरु गोबिंद सिंह ने समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाया था, इसीलिए इस दिन को इस नाम से जाना जाता है।

साथियों बात अगर हम गुरु गोविंद सिंह के जीवन को जानने की करें तो ऐसा, इतिहास पुरुष कभी भी राजसत्ता प्राप्ति, जमीन-जायदाद, धन सम्पदा या यश प्राप्ति के लिए लड़ाईयां नहीं लड़ते। श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी ऐसे इतिहास पुरुष थे, जिन्होंने ताउम्र अन्याय , अधर्म अत्याचार और दमन के खिलाफ तलवार उठाई और लड़ाईयां लड़ी। गुरू जी की तीन पीढ़ियों ने देश धर्म की रक्षा के लिए महान बलिदान दिया। आज देश अपनी स्वतंत्रता की 75वी वर्षगांठ आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है, ऐसे में पूरे देश में स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों, बलिदानियों को याद किया जा रहा है। सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को उनकी जयंती पर नमन कर प्रत्येक भारतवासी गर्व महसूस कर रहा है। वे नौवें सिख गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी के इकलौते बेटे थे, जिनका बचपन का नाम गोबिंद राय था। सन 1699 ई0 में बैसाखी के दिन गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना कर पांच व्यक्तियों को अमृत चखा का पांच प्यारे बना दिए। इन पांच प्यारों में सभी वर्गों के व्यक्ति थे। इस प्रकार से उन्होंने जात-पात मिटाने के उद्देश्य से अमृत चखाया। बाद में उन्होंने स्वयं भी अमृत चखा और गोबिंद राय से गोबिंद सिंह बन गए।गुरु गोबिंद सिंह ने एक खालसा वाणी वाहे गुरुजी का खालसा, वाहे गुरुजी की फतेह स्थापित की। साथ ही उन्होंने आदर्शात्मक जीवन जीने और स्वयं पर नियंत्रण के लिए खालसा के पांच मूल सिद्धांतों की भी स्थापना की। जिनमें केस, कंघा, कड़ा, कछ, किरपाण शामिल है ये सिद्धान्त चरित्र निर्माण के मार्ग थे। उनका मानना था कि व्यक्ति चरित्रवान होकर ही विपरीत परिस्थितियों व अत्याचारों के खिलाफ लड़ सकता है। गुरू गोबिन्द सिंह जी की वीरता और लोकप्रियता से आस पास के पहाड़ी राजा द्वेष करने लगे यहां तक बिलासपुर के राजा भीमचन्द सहित गढ़वाल, कांगड़ा के राजाओं ने मुगल शासक औरंगजेब के पास जाकर गुरु गोबिंद सिंह के खिलाफ लड़ने के लिए सैनिक सहायता मांगी और कहा कि इसके बदले में वे वार्षिक लगान देंगें। इसी प्रकार जब औरंगजेब की सेना का जनरल सैयद खान युद्ध के लिए आनंदपुर साहिब जाने लगा तो रास्ते में साधुरा नामक स्थान पर उनकी बहन नसरीना से मिले। उनकी बहन ने सैयद खान को गुरु गोबिन्द सिंह के खिलाफ युद्ध करने से रोका और कहा कि वे पहले से ही गुरु जी की अनुयायी है और गुरु गोबिंद सिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक संत है। गुरु गोबिंद सिंह जी के चारयुग्म थे, जिनका नाम साहिबजादे अजीत सिंह, साहिबजादे जुझार सिंह, साहिबजादे फतेह सिंह, साहिबजादे जोरावर सिंह था। उन्होंने अपने चारों पुत्र धर्म की रक्षा के लिए कुर्बान किए। मुगल शासक द्वारा दो पुत्र जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद में दीवार में चुनवा दिया गया। दो पुत्र अजीत सिंह और जुझार सिंह युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए।

गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पुत्रों की शहादत में कहा था-

सब पुत्रन के कारन वार दिए पुत चार।
चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार ।।

गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने जीवन में आनंदपुर, भंगानी, नंदौन, गुलेर, निर्मोहगढ, बसोली, चमकोर, सरसा व मुक्तसर सहित 14 युद्ध किए। सितम्बर 1708 में गुरु जी दक्षिण में नांदेड़ चले गए और बैरागी लक्ष्मणदास को अमृत छका और युद्ध कौशल से पारंगत कर बंदा सिंह बहादुर बनाया और उन्हें खालसा सेना का कमाण्डर बनाकर संघर्ष के लिए पंजाब भेज दिया। पंजाब पहुंच कर बन्दा सिंह बहादुर ने चप्पा चीड़ी की जंग जीती।

स्वर्णजयंती हॉस्पिटल की कैंटीन में अग्निकांड एवं भगदड़ पर हुई मॉक ड्रिल

परिवहन विशेष न्यूज

मथुरा : 04 जनवरी 2025 को दुपहर 11 बजे स्वर्णजयंती हॉस्पिटल में आग लगने की खबर का सायरन बजते ही हॉस्पिटल में आए सभी मरीजो एवं उनके परिवारजनों और स्टाफ में हड़कंप मच गया फिर बाद में पता चला कि ये एक मॉक ड्रिल कार्यक्रम हे । ये कार्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से वार्डन पोस्ट संख्या एक नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा के टाउनशिप स्थित स्वर्णजयंती हॉस्पिटल एवं गोकुल बेराज के घाट कोयला घाट पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा के साथ मिलकर एक राज्य स्तरीय मेगा आपदा मॉक ड्रिल का आयोजन जिला अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडे, अपर जिला अधिकारी नमामि गंगे प्रभारी नागरिक सुरक्षा राजेश यादव, के नेतृत्व मे नागरिक सुरक्षा मथुरा के उप नियंत्रक मुनेश कुमार गुप्ता एवं सहायक उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह, आपदा विशेषज्ञ सुशील कुमार, के द्वारा मॉक ड्रिल कार्यक्रम को सफ़ल बनाने की जिम्मेदारी दी गई जिसमें पोस्ट वार्डन एवं आपदा मित्र अशोक यादव जो कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल नागपुर एवं राज्य आपदा मोचन बल लखनऊ से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं उनको इस मॉक ड्रिल का कमांडर बनाया गया। सिविल डिफेंस के साथ इंडियन ऑयल कार्पोरेशन एवं दमकल विभाग के साथ मिलकर 10 लोगों की स्वर्णजयंती हॉस्पिटल में लगी आग एवं भगदड़ में हुए घायलों को चोट एवं जो कैंटीन में फंसे हुए लोगों को प्राथमिक उपचार देने के बाद इनको घर जाने दिया गया बही दूसरी तरफ गोकुल बेराज के कोयला घाट पर जो दो लड़के नहा रहे थे 1 बे अचानक गहरे पानी में जाने के कारण डूबने लगे बही मौजूद आपदा मित्र एवं नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा की क्विक रिस्पांस टीम के द्वारा रस्सी फेक कर उनकी जान बचाई गई इस पूरी मेगा मॉक ड्रिल को सफल बनाने में सिविल डिफेंस, फायर विभाग, हॉस्पिटल स्टाफ, एवं मेडिकल टीम का रोल रहा मॉक ड्रिल कार्यक्रम में सिविल डिफेंस मथुरा के उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह ने बताया कि स्वर्णजयंती हॉस्पिटल के कैंटीन में शीर्टसर्किट होने से लगी अचानक आग लगने की ख़बर मिलते ही सिविल डिफेंस मथुरा अपने दल बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंच कर अग्निशमन विभाग के साथियों के साथ मिलकर रेस्क्यू कार्य शुरू कर दिया गया कैंटीन में फसे हुए दस घायल लोगों को एम्बुलेंस के माध्यम से नजदीकी जिला हॉस्पिटल में घायलों लोगों को भर्ती कराया गया बही दूसरी तरफ गोकुल बेराज के कोयला घाट पर भी राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें आपदा मित्रों एवं सिविल डिफेंस मथुरा की क्विक रिस्पांस टीम एवं चीफ वार्डन राजीव अग्रवाल डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल डिविजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी, सीनियर स्टॉफ ऑफिसर दीपक चतुर्वेदी बैंकर, तहसीलदार महावन, तहसीलदार सदर, डॉक्टर भूदेव, पोस्ट वार्डन अशोक यादव,डिप्टी पोस्ट वार्डन विकास सोनी,सैक्टर वार्डन राम सैनी, शुभम्कुमार, जगदीश प्रसाद,पवन प्रकाश, राजेश कुमार, चरन सिंह, जीतेश, गुलशेर, सोहन लाल, मुकेश शर्मा,नरेन्द्र, हेमंत, यतेंद्र, राजेंद्र पंकज गर्ग, नरेश अग्रवाल, जितेन्द्र कुमार धनगर, रोहिताश गॉड,रोहित कुशवाह, साहिद बाबू, ऋषभ, धर्मेन्द्र तोमर, शैलेश खण्डेलवाल, सुनैना, गिरीश, नितिन, देवेन्द्र, अभिषेक एवं ट्रेफिक पुलिस, और थाना महावन प्रभारी एवं थाने रिफाइनरी ने मेगा मॉक ड्रिल कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

नोएडा एयरपोर्ट पर बनेंगे तीन फ्यूल स्टेशन, इंडियन ऑयल के साथ बड़ी डील फाइनल

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) पर यात्रियों एयरपोर्ट और कार्गो टर्मिनल के वाहनों की ईंधन जरूरतों को पूरा करने के लिए तीन फ्यूल स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इंडियन ऑयल के साथ अनुबंध के तहत ये स्टेशन वैश्विक सुरक्षा मानकों के अनुरूप बनाए जाएंगे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अप्रैल में यात्री सेवाएं शुरू हो जाएंगी। इससे यात्रियों को देश-विदेश आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी।

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआइए) पर ईंधन की आपूर्ति के लिए तीन स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. (यापल) ने तीनों फ्यूल स्टेशन स्थापित करने के लिए इंडियन ऑयल के साथ अनुबंध किया है। एक स्टेशन यात्री, एक एयरपोर्ट व एक कार्गो टर्मिनल पर वाहनों की ईंधन की जरूरत को पूरा करेगा।

नोएडा एयरपोर्ट पर कब से शुरू होंगी यात्री सेवाएं?

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अप्रैल में यात्री सेवाओं के लिए शुरू हो जाएगा। एयरपोर्ट आने वाले यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए विभिन्न ढांचागत सुविधाएं विकसित की गई हैं।

इसी के तहत एयरपोर्ट परिसर में तीन फ्यूल स्टेशन विकसित होंगे। यात्रियों के लिए पश्चिम रोड के नजदीक स्टेशन स्थापित किया जाएगा। जबकि एयरपोर्ट ऑपरेशन के लिए एयरसाइड में एक स्टेशन होगा।

वाहनों को **नहीं** होगी ईंधन की कमी

तीसरा स्टेशन कार्गो टर्मिनल की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उसके पास बनाया जाएगा। इसके लिए इंडियन ऑयल के साथ हुए अनुबंध के मौके पर यापल के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि एयरपोर्ट पर ईंधन उपलब्ध कराने के लिए यह अनुबंध किया गया है। यात्रियों को सुगमता से ईंधन उपलब्ध होगा।

यात्रियों को मिलेगी अच्छी सुविधा

इंडिया ऑयल के डिवीजनल रिटेल सेल्स प्रमुख सुमित मुंशी ने कहा कि तीनों फ्यूल स्टेशन स्थापित करने का मकसद न केवल यात्रियों को अच्छी सेवा उपलब्ध कराना है, बल्कि क्षेत्र में विकसित हो रहे संरचनात्मक ढांचे को भी मजबूत करना है। फ्यूल स्टेशन को वैश्विक सुरक्षा मानकों के अनुरूप बनाया जाएगा।

100 करोड़ से हरा भरा होगा ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा की पहचान हरित शहर के रूप में है। सेक्टरों में पार्क व सड़क किनारे हरित पट्टी विकसित की गई है। लेकिन नियमित रखरखाव के अभाव में शहर की हरियाली सिमटती जा रही है। हरित क्षेत्र के रखरखाव एवं पार्कों में मरम्मत कार्य के लिए प्राधिकरण 100 करोड़ रुपये खर्च करने जा रहा है।

उद्यान विभाग ने 24 से अधिक पार्कों में कार्यों के लिए निविदा जारी कर दी है। पहले चरण में 24 से अधिक सेक्टर और मुख्य सड़कों के किनारे की हरित पट्टी, सड़कों के बीच हरित क्षेत्र पर तीस करोड़ रुपये के कार्य कराए जाएंगे। इसमें पेड़ पौधों के रखरखाव के साथ पाथे वे, झूले आदि के कार्य भी होंगे। नियम में बदलाव करते हुए उद्यान व सिविल कार्य के लिए एक ही एजेंसी को जिम्मेदारी दी जाएगी।

दो साल तक पार्कों का रखरखाव करेगी एजेंसी

अभी तक उद्यान, सिविल व इलेक्ट्रिकल आदि के कार्य के लिए अगल-अलग एजेंसी का चयन होता था। आपसी तालमेल न होने से कार्यों में अड़चन आ रही थी। चयनित एजेंसी को ही दो साल तक पार्कों का रखरखाव करना होगा। पार्कों का नियमित रखरखाव न होने के कारण अधिकतर पार्क बदहाल हो चुकी हैं।

चारदीवारी व पाथवे क्षतिग्रस्त हैं। बेसहारा पशु पार्कों में विचरण करते हैं। पार्कों में रोशनी के लिए लगी लाइट, फव्वारे आदि क्षतिग्रस्त हैं। बच्चों के खिलने के लिए लगाए गए झूले, ओपन जिम आदि टूट चुके हैं। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस का कहना है कि पार्क व हरित क्षेत्र के रखरखाव के लिए निविदा जारी कर दी गई हैं। एजेंसी का चयन कर जल्द ही कार्य कराए जाएंगे।

इन सेक्टरों में होंगे कार्य

ओमीक्रान दो, डेल्टा दो, म्यू दो, नालेज पार्क दो, म्यू एक, गामा एक, गामा दो, चाई पांच, पाई एक व दो, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के सामने की हरित पट्टी, सावित्री बाई फूले बालिका इंटर कॉलेज की सड़क के बीच हरित पट्टी, ज्यू एक एवं दो, सेक्टर ओमीक्रान एक, ओमीक्रान एक ए, सिग्मा एक, दो, तीन व चार, सेक्टर ईकोटेक दस, नालेज पार्क तीन, चाई चार, ईकोटेक11, पी तीन व सेक्टर तीन आदि में उद्यान संबंधित कार्य होंगे।

मां से ऊंची आवाज में बात कर रहे हैं तो मंदिर जाकर देवी मां को पूजने का मतलब नहीं-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

पिता का पजामा पेंट या धोती फटी है,तो हमारी ब्रांडेड पहनी चीजों पर गर्व नहीं शर्म होनी चाहिए

आध्यात्मिकता में माता-पिता का सर्वश्रेष्ठ स्थान-बड़े बुजुर्ग वृद्धजन ईश्वर अल्लाह का रूप

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता में आस्था जग प्रसिद्ध है। अपने माता-पिता और बड़े बुजुर्गों का जितना सम्मान भारतीय संस्कृति में सदियों से प्रवाहित हो रहा है, शायद दुनियाँ में कहीं नहीं देखने को मिलेगा। परंतु दुर्भाग्य से कहना पड़ रहा है कि माता-पिता बड़े बुजुर्गों के सम्मान की इतनी धारदार कट्टरता अभी कुछ वर्षों से तीव्रता से कम होती जा रही है। याने पाश्चात्य संस्कृति की छाया भारतीय समाज में तीव्रता से बढ़ती जा रही है। आज माता- पिता अपने बच्चों को अपना पेट काटकर ऊंचे से ऊंची शिक्षा दिलाकर डॉक्टर इंजीनियर सीए सहित अनेक प्रोफेशनल डिग्रियां दिलाकर उच्च मुकाम पर पहुंचा रहे हैं। परंतु कुछ अपवादों को छोड़कर इन्हें नवयुवकों द्वारा अपने भविष्य,अपनी जिंदगी, अपनी लाइफ स्टाइल के नाम पर बड़े शहरों, विदेशों में जॉब के नाम पर जाकर वही सेट हो जाते हैं। अनेक युवा वही शादी कर लेते हैं तो कुछ अपने नाटिव स्थान पर शादी करके फैमिली सहित वापस बड़े शहर या विदेश में चले जाते हैं और बेचारे मां- बाप वही अपनी तंगी हालत में जीते हैं। ऐसे अनेक हकीकत किस्से हर शहर, गांव में आम होते जा रहे हैं हमारी कॉलोनी में भी कई किस्से मेरी नजरों के सामने हैं जो बेचारे फटी पेंट या धोती पहन कर गुजारा कर रहे हैं और उनके बच्चे ब्रांडेड चीजों को वापरकर अपनी पाश्चात्य लाइफ स्टाइल जी रहे हैं जिसका कोई फायदा नहीं है। मेरा मानना है कि ऐसे युवक इस नाइंसाफी का बीज बो रहे हैं जो आगे चलकर अपने बच्चों से वटवृक्ष के रूप में परेशानियों से भरा पाएंगे।इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों वृद्धजनों का सम्मान और उनकी देखभाल करें।

साथियों बात अगर हम आध्यात्मिक आस्था की करें तो, हम लोग पूजा-पाठ बहुत करते हैं, लेकिन हमें सकारात्मक फल नहीं मिल पाते हैं। मेरा मानना है कि सिर्फ पूजा से जीवन में सुख-शांति नहीं मिल सकती है। अपना आचरण भी अच्छा बनाए रखना जरूरी है। हम लोग माता-पिता का सम्मान नहीं करते हैं और सिर्फ पूजा-पाठ करते हैं, तो हमें सुख शांति नहीं मिल पाती है। देवी-देवता भी उन्हीं लोग पर कृपा करते हैं जो अपने माता- पिता का पूरा सम्मान करते हैं और उनके सुख-दुख का ध्यान रखते हैं।

साथियों बात अगर हम हमारे शास्त्रों में बुजुर्गों के सम्मान की करें तो, यजुर्वेद का उल्लेख, हमारे शास्त्रों में भी बुजुर्गों का सम्मान करने की राह दिखलायी गई है यजुर्वेद का निम्न मंत्र संतान को अपने माता-पिता की सेवा और उनका सम्मान करने की शिक्षा देता है-

यदापि पोष मातरं पुत्रः प्रभुदितो धयान।
इतदगे अनृणो भवाम्यहतौ पितरौ ममां॥

अर्थात जिन माता-पिता ने अपने अथक प्रयत्नों से पाल पोसकर मुझे बड़ा किया है, अब मेरे बड़े होने पर जब वे अशक्त हो गये हैं तो वे जनक-जननी किसी प्रकार से भी पीड़ित न हों, इस हेतु मैं उसी की सेवा सत्कार से उन्हें संतुष्ट कर अपा आनृश्य (ऋण के भार से मुक्ति) कर रहा हूँ। आज अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हम मनीषियों को को यह समझने की जरूरत है कि वरिष्ठ नागरिक, वृद्धजन, बड़े बुजुर्ग हमारे समाज की अनमोल विरासत होते हैं, उन्होंने अपने समाज और देश को बहुत कुछ दिया है। वह हमारी धरोहर हैं, अनुभवों का एक खजाना है जो किसी भी देश की उन्नति के लिए मूल्यवान मंत्र है जिसका सही दिशा में उपयोग किया जाए तो उस देश को सामाजिक-आर्थिक नैतिक संपन्नता से नवाज़ने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि उनके अनुभवों के साथ उनका आशीर्वाद भी काम करता है जिसमें स्वयं ईश्वर अल्लाह भी हस्तक्षेप नहीं कर सकते इतनी ताकत होती है आशीर्वाद या दुआ में, इसलिए हमें चाहिए कि बड़े बुजुर्गों के अनुभवों और सीख़ से हम जीवन में आई विपत्तियों से पार पाने में सक्षम हों।आओ वृद्धावस्था को सुखी बनाएं-उनका आशीर्वाद लें।

साथियों बात अगर हम माता पिता बड़े बुजुर्ग वृद्धजनों के सम्मान की करें तो, बचपन से ही हमें घर में शिक्षा दी जाती है कि हमें अपने से बड़ो का सम्मान करना चाहिए। वरिष्ठजन हमारे घर की नींव होते हैं। बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत भाग्य वालों को मिलता है इसलिए सभी को अपने से बड़ों और वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। लेकिन आज के समय में ये कहना अनुचित नहीं होगाकि अबये मात्र औपचारिकता रह गई है। लेकिन हर व्यक्ति को वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखनी चाहिए। हमारे देश में बड़े लोगों को ईश्वर अल्लाह के तुल्य और उनके आशीर्वाद को किसी भी काम में सबसे बड़ा सहायक माना जाता है, इसलिए हमारे देश में सभी अपने से बड़ों का सम्मान और आदर करते हैं। फिलहाल अब हालात काफी बदल गए हैं। कई मामलों में वृद्धजनों को अपनी संतानों द्वारा मुश्किलें और दिक्कतें झेलते देखा गया है

साथियों बात अगर हम माता पिता वृद्धजनों की अवहेलना की करें तो, एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता है, यानें वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है। यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है,जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। वह लोग भूल जाते हैं कि अनुभव का कोई दूसरा विकल्प दुनियाँ में है ही नहीं। अनुभव के सहारे ही दुनिया भर में बुजुर्ग लोगों ने अपनी अलग दुनिया बना रखी है। जिस घर को बनाने में एक इंसान अपनी पूरी जिंदगी लगा देता है, वृद्ध होने के बाद उसे उसी घर में एक तुच्छ वस्तु समझ लिया जाता है। बड़े बूढ़ों के साथ यह व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। सब जानते हैं कि आज हर इंसान समाज में खुद को बड़ा दिखाना चाहता है और दिखावे की आड़ में बुजुर्ग लोग उसे अपनी सुंदरता पर एक काला दाग़ दिखते हैं। बड़े घरों और अमीर लोगों की पार्टी में हाथ में छड़ी लिए और किसी के सहारे चलने वाले बुढ़ों को अधिक नहीं देखा जाता, क्योंकि वह इन बूढ़े लोगों को अपनी आलीशान

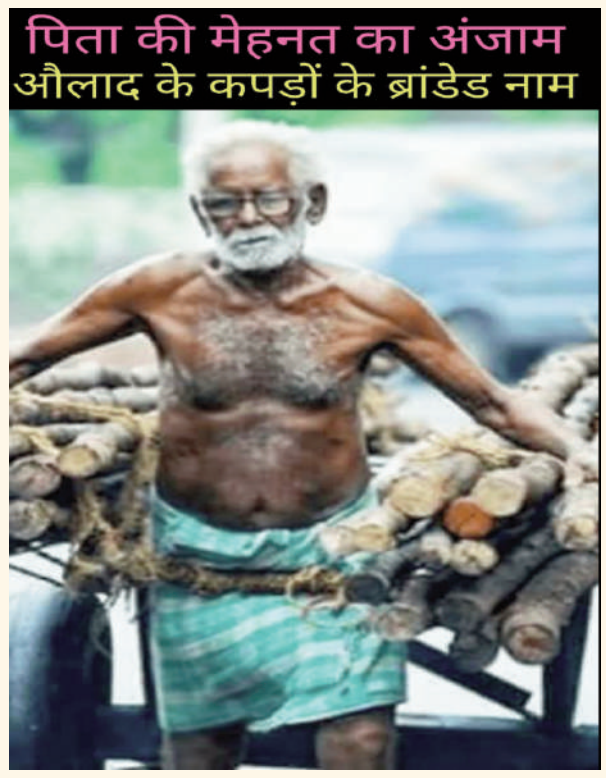

पार्टी में शामिल करना तथाकथित शान के ख़िलाफ़ समझते हैं। यही रुढ़िवादी सोच उच्च वर्ग से मध्यम वर्ग की तरफ चली आती है। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है।

साथियों बात अगर हम भारत में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भरण पोषण और कल्याण (संशोधन) विधेयक 2019 की करें तो यह 11 दिसंबर 2019 को लोकसभा में पेश किया गया था, सामाजिक न्याय और अधिकारिता संबंधी स्थाई समिति की रिपोर्ट 29 जनवरी 2021 को लोकसभा में प्रस्तुत की गई थी अभी मानसून सत्र में शेड्यूल किया गया था। इसमें वृद्धजनों का जीवन सुरक्षित करने संबंधी अनेक प्रकार के प्रावधान हैं जिसमें बच्चों की परिभाषा में बदलाव, नाबालिक बच्चों का शामिल करना, माता-पिता की परिभाषा में सांस सुर, दादा दादी, नाना नानी को शामिल करना, भरण पोषण में स्वास्थ्य देखभाल बचाव और सुरक्षा को शामिल करना है ताकि गरिमापूर्ण जीवन जी सकें इत्यादि अनेक सुधार इस संशोधन के माध्यम से किए गए हैं।

साथियों बात अगर हम माता पिता के बुजुर्ग अवस्था के पड़ाव की करें तो,बुजुर्गावस्था हर इंसान के जीवन का एक पड़ाव है। इस समय में व्यक्ति को प्यार सम्मान और अपनेपन की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। जिन लोगों पर बुजुर्गों का साया होता है वे लोग बहुत भाग्यशाली होते हैं। बुजुर्ग ही हमें जीवन जीने का सही मार्ग सिखाते हैं। उनके अनुभव और सीख से जीवन में हम किसी भी कठिनाई को पार करने में सक्षम होते हैं। इसलिए हमें कभी भी उनके प्रति उपेक्षा का भाव नहीं रखना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस को पूरी तरह से बुजुर्गों के लिए समर्पित किया जाता है। इस दिन उनके सम्मान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों का खुशी का ध्यान रखते हुए कई तरह के आयोजन किए जाते हैं। इस दिन बुजुर्गोंको होने वाली समस्याओं और उनकी सेहत के विषय में गंभीरता पूर्वक विचार किया जाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ अपने माता पिता बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। आध्यात्मिकता में माता-पिता का सर्वश्रेष्ठ स्थान है। बड़े बुजुर्ग वृद्धजन ईश्वर अल्लाह का रूप है। पिता की धोती फटी है तो हमारी ब्रांडेड चीजों का कोई फायदा नहीं है। मां से ऊंची आवाज में बात कर रहे हैं तो रोज मंदिर जाकर देवी मां का पूजन करने का मतलब नहीं।

• एक्सपो में लॉन्च होने को तैयार ये 10 कारें, मारुति से लेकर टाटा तक हैं शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत में वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए निर्माताओं की ओर से कई नई कारों को पेश और लॉन्च किया जाता है। इस साल 17 से 22 जनवरी के बीच देश में Bharat Mobility 2025 का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान देश और दुनिया की कई प्रमुख वाहन निर्माता हिस्सा लेंगी। Maruti से लेकर Tata तक इस दौरान किन Cars and SUVs को लॉन्च (Car launch in Bharat Mobility 2025) किया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Maruti E Vitara

मारुति की ओर से अपनी पहली इलेक्ट्रिक गाड़ी के तौर पर जनवरी 2025 में Grand Vitara Electric को लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने इस गाड़ी के कॉन्सेप्ट वर्जन को जनवरी 2023 में हुए Auto Expo में पहली बार दिखाया था। इसके बाद EICMA 2024 के दौरान इसके प्रोडक्शन वर्जन को इटली में शोकेस किया जा चुका है।

मारुति की E Vitara की तरह ही टोयोटा की ओर से इलेक्ट्रिक हाइराइडर को लाया जा सकता है। इसे मारुति विटारा इलेक्ट्रिक के प्लेटफॉर्म पर ही बनाया जाएगा। ऐसे में इसमें भी विटारा की तरह ही फीचर्स और रेंज को दिया जा सकता है।

Tata Harrier EV

टाटा की ओर से प्रीमियम सेगमेंट में Tata Harrier EV को मोबिलिटी 2025 में लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी को जनवरी 2023 में हुए ऑटो एक्सपो के दौरान कॉन्सेप्ट वर्जन को शोकेस किया गया था। 2024 में मोबिलिटी के पहले संस्करण में भी इसको दिखाया जा चुका है। लेकिन अब इसे औपचारिक तौर पर लॉन्च किया जा सकता है।

Tata Sierra EV

टाटा की ओर से मोबिलिटी के दौरान एक और इलेक्ट्रिक एसयूवी Tata Sierra EV को भी लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी की ओर से इसके कॉन्सेप्ट वर्जन को जनवरी 2023 में हुए ऑटो एक्सपो के दौरान दिखाया जा चुका है। लेकिन इसके प्रोडक्शन वर्जन को इलेक्ट्रिक और ICE दोनों ही सेगमेंट में लाया जाएगा।

MG Cyberster

ब्रिटिश वाहन निर्माता एमजी मोटर्स भी भारत मोबिलिटी में MG Cyberster EV को लॉन्च करेगी। यह कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार होगी जिसे भारतीय बाजार में भी बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा। इस गाड़ी में सिजर डोर के साथ ही कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाएगा।

MG Mifa9

साइबरस्टर के अलावा एमजी की ओर से MG Mifa9 को भी मोबिलिटी 2025 में लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी की ओर से ऑफर की जाने वाली यह इलेक्ट्रिक लग्जरी एमपीवी होगी। जिसमें कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाएगा।

Hyundai Creta EV

हुंडई भी मोबिलिटी 2025 में अपनी क्रेटा ईवी को लॉन्च करेगी। कंपनी की यह गाड़ी फिलहाल ICE वर्जन में भारतीय बाजार में ऑफर की जाती है। इसमें भी दो बैटरी पैक के विकल्प दिए जाएंगे जिससे इसे 470 KM की रेंज मिलेगी।

Mahindra BE 6

महिंद्रा की ओर से 2024 के आखिर में BE6 को लाया गया था। तब कंपनी ने इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को पेश किया था लेकिन मोबिलिटी में इसे औपचारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा। इसके सभी वेरिएंट्स की कीमतों की घोषणा भी इसी दौरान की जाएगी।

Mahindra XEV9e

महिंद्रा की ओर से BE 6 के अलावा XEV 9e को भी मोबिलिटी 2025 में लॉन्च किया जाएगा। इसे भी 2024 के आखिर में पेश किया जा चुका है। लेकिन अब इसके सभी वेरिएंट्स की कीमतों को सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

Skoda Superb

स्कोडा की ओर से प्रीमियम सेडार कार के तौर पर सुपर्ब को लाया जाता है। लेकिन मोबिलिटी 2025 में इसकी नई जेनरेशन को बाजार में लॉन्च किया जाएगा। यह पूरी तरह से इंपोर्ट की जाएगी और बाजार में उपलब्ध करवाई जाएगी।

भारत मोबिलिटी 2025 के बारे में जानें सबकुछ: तारीख से लेकर वेन्यू तक की पूरी जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

भारत मोबिलिटी 2025 साल 2024 में मोबिलिटी के पहले संस्करण के बाद अब दूसरी बार भी इसे आयोजित किया जा रहा है। January 2025 में होने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन कहां पर किया (Bharat Mobility 2025 Venue) जाएगा। कब से कब तक इसका आयोजन होगा टिकट की क्या कीमत होगी और कैसे टिकट मिल सकती है। आइए जानते हैं।

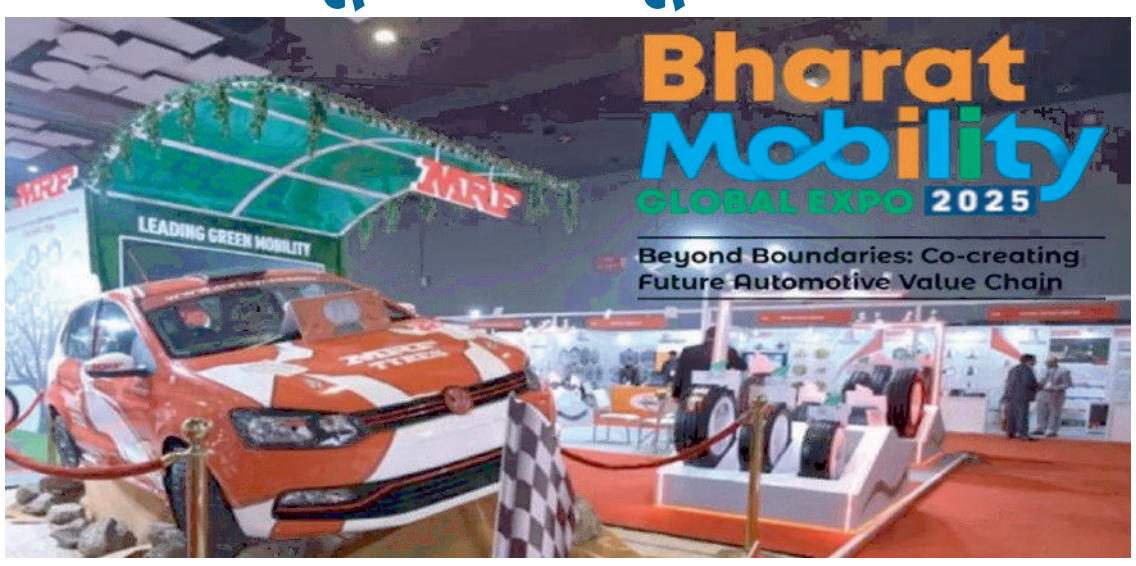

नई दिल्ली। देश में जिस तरह से वाहनों की मांग में बढ़ रही है उसे देखते हुए दुनियाभर के वाहन निर्माता भारतीय बाजार में अपने कई बेहतरीन उत्पादों को ऑफर करते हैं। अन्य देशों के मुकाबले कुछ कंपनियों के लिए भारत सबसे बड़े और महत्वपूर्ण बाजारों में शामिल है। देश और दुनिया के कई निर्माता अपने नए उत्पाद और तकनीक को इस बार भी Bharat Mobility 2025 में पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। भारत मोबिलिटी के दूसरे संस्करण को कब और कहां आयोजित (When is Bharat Mobility Expo 2025) किया जाएगा। किस जगह पर किस तरह की तकनीक और वाहनों को देखा जा सकेगा। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कब शुरू होगा Bharat Mobility 2025

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो के दूसरे संस्करण का आयोजन इस साल जनवरी महीने में ही किया जाएगा। साल 2024 के मुकाबले में इस साल इसे ज्यादा बड़े स्तर पर किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक इस कार्यक्रम का आयोजन देश की राजधानी दिल्ली और यूपी के ग्रेटर नोएडा में कुल तीन जगहों पर किया जाएगा।

कहां होगा आयोजन

सरकार की ओर से भारत मोबिलिटी के दूसरे संस्करण के आयोजन के साथ ही वेन्यू की भी जानकारी दी गई है। जानकारी के मुताबिक अगले साल इस कार्यक्रम का आयोजन तीन स्थानों (Bharat Mobility 2025 Locations) पर होगा। जिसमें दिल्ली में भारत मंडपम, द्वारका में यशोभूमि और ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट शामिल हैं।

Auto Expo 2025 कहां पर होगा

Bharat Mobility 2025 में मुख्य कार्यक्रम दिल्ली के Bharat Mandapam में होगा। यहां पर 17 जनवरी से 22 जनवरी के बीच Auto Expo 2025 का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा यहां पर इंडिया इंटरनेशनल टायर शो, इंडिया साइकिल शो, भारत बैटरी शो, स्टील पवेलियन और मोबिलिटी टेक पवेलियन का आयोजन किया जाएगा।

द्वारका में होगा कंपोनेंट शो का आयोजन

दिल्ली के द्वारका में भी Bharat Mobility 2025 का आयोजन किया जाएगा। यहां पर 18 जनवरी से 21 जनवरी के बीच इस कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें कंपोनेंट शो को आयोजित किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में क्या होगा शोकेस

19 से 22 जनवरी 2025 के बीच उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में भी इसी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा में भारत कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट एक्सपो और अर्बन मोबिलिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर शो को आयोजित किया जाएगा।

सर्दियों में मोटरसाइकिल चलाना हो जाता है मुश्किल, सेफ राइडिंग के लिए फॉलो करें 10 टिप्स

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ठंड के मौसम में बाइक चलाना कई चुनौतियाँ लेकर आता है, क्योंकि सर्दी और गीली सड़कें बाइक चलाने को जोखिमपूर्ण बना सकती हैं। हालांकि, कुछ सावधानियाँ और टिप्स अपनाकर आप ठंड में भी सुरक्षित रूप से बाइक चला सकते हैं। नीचे ठंड में बाइक चलाने के 10 महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए हैं।

1. सही कपड़े पहनें

ठंड में बाइक चलाने से पहले अपने शरीर को गर्म रखने के लिए सही कपड़े पहनना बेहद जरूरी है। ऊनी या वॉटरप्रूफ जैकेट, गर्म हाथमोज़े, और पैरों के लिए थर्मल मोज़े पहनें। बाइकिंग ग्लव्स और फुल-फेस हेलमेट का प्रयोग करें ताकि सिर और हाथों को ठंड से बचाया जा सके।

2. गति को नियंत्रित रखें

ठंड में सड़कें अक्सर गीली और फिसलन भरी होती हैं, जिससे तेज़ गति से बाइक चलाना जोखिमपूर्ण हो सकता है। गति को नियंत्रित रखें और ब्रेक लगाने के दौरान अधिक सतर्क रहें। बाइक की गति कम रखें ताकि अचानक से ब्रेक लगाने पर आप नियंत्रण खो न दें।

3. सड़क की स्थिति का ध्यान रखें

ठंड में, सड़कें अक्सर बर्फीली या ओस से गीली हो सकती हैं, जिससे बाइक फिसलने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में, सड़क की स्थिति का ध्यान रखते हुए, गीली और फिसलन भरी सड़कों पर बाइक चलाने से बचें। जब भी सड़क पर बर्फ या पानी दिखे, तो ब्रेक लगाने में धीरे-धीरे दबाव डालें।

4. बाइक की नियमित जांच करें

ठंड में बाइक की देखभाल और नियमित निरीक्षण जरूरी होता है। विशेष रूप से टायर, ब्रेक, और इंजन की जांच करें। गीली और फिसलन भरी सड़कों पर अच्छे ब्रेक और टायर की आवश्यकता होती है, ताकि बाइक की पकड़ बेहतर हो और दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

5. स्मार्ट लाइटिंग का इस्तेमाल करें

ठंड में दिन छोटा होता है और घना कोहरा भी बन सकता है, जिससे सड़क पर दिखाई देना मुश्किल हो जाता है। अपनी बाइक की हेडलाइट और टेललाइट का सही उपयोग करें। साथ ही, रिफ्लेक्टिव गियर पहनें, ताकि आप दूसरों के लिए अधिक दृश्य हो सकें।

6. हेलमेट पहनें

ठंड में हेलमेट पहनना न केवल सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह सिर और चेहरे को ठंड से भी बचाता है। एक अच्छी गुणवत्ता वाला, पूरी तरह से बंद हेलमेट पहनें जो सिर और गर्दन को ठंड से बचाए और बेहतर सुरक्षा प्रदान करे।

7. हाइड्रेटेड रहें

ठंड में अक्सर लोग पानी पीना कम कर देते हैं, लेकिन यह शरीर के लिए जरूरी होता है। बाइक चलाते समय हाइड्रेटेड रहना बहुत महत्वपूर्ण है। पानी पीने से शरीर सक्रिय और ऊर्जावान रहता है, जो लंबी यात्रा के दौरान सहायक साबित होता है।

8. गियर और ग्रिप का ध्यान रखें

ठंड के मौसम में टायरों और गियर की स्थिति को सही रखना बेहद जरूरी है। बाइक के टायरों की हवा चेक करें और यह सुनिश्चित करें कि वे अच्छी स्थिति में हों। गीली या बर्फीली सड़कों पर अधिक ग्रिप वाले टायरों का इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

9. ब्रेकिंग तकनीक पर ध्यान दें

ठंड में बाइक चलाते समय, ब्रेकिंग तकनीक पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। गीली सड़कों पर अचानक से ब्रेक न लगाएं, इससे बाइक फिसल सकती है। ब्रेक लगाने से पहले धीरे-धीरे दबाव डालें और बाइक की गति को कम करें।

10. अपने रास्ते की योजना बनाएं

ठंड के मौसम में अचानक मौसम का बदलाव हो सकता है, और रास्ते पर घना कोहरा या बर्फ पड़ सकता है। अपनी यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान चेक करें और यदि रास्ते पर बर्फ या कोहरा हो, तो यात्रा टालने या रूट बदलने पर विचार करें।

सिट्रोएन बेसाल्ट को खरीदना हो गया महंगा, कंपनी ने किस वेरिएंट के दाम कितने बढ़ाए, पढ़ें पूरी खबर

परिवहन विशेष न्यूज

सिट्रोएन की कीमत में बढ़ोतरी फ्रांस की वाहन निर्माता Citroen की ओर से भारतीय बाजार में हैचबैक से लेकर एसयूवी सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से नए साल में अपनी कूप एसयूवी Citroen Basalt की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी की कीमतों को कितना बढ़ाया गया है। अब इसकी क्या कीमत हो गई है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। नई दिल्ली। भारतीय बाजार में फ्रांस की वाहन निर्माता Citroen की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से कूप एसयूवी के तौर पर ऑफर की जाने वाली Citroen Basalt की कीमतों को बढ़ा दिया है। नए साल में कंपनी ने इस कूप एसयूवी के किस वेरिएंट में कितनी कीमतों (Citroen Price Hike) को बढ़ाया है। अब इसे किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

महंगी हुई Citroen Basalt

Coupe SUV के तौर पर सिट्रॉएन की ओर से ऑफर की जाने वाली एसयूवी बेसाल्ट की कीमतों को बढ़ा दिया गया है। कंपनी की ओर से नए साल के शुरू होते ही इसकी कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है।

दिसंबर में दी थी जानकारी

सिट्रॉएन की ओर से दिसंबर 2024 में ही कीमतों को बढ़ाने की जानकारी दे दी गई थी। कंपनी के मुताबिक कीमतों में दो फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। लेकिन सभी वेरिएंट्स की कीमतों को नहीं बढ़ाए जाने की घोषणा पहले ही की गई थी। कंपनी के मुताबिक इनपुट कॉस्ट में लगातार बढ़ोतरी हो रही थी और एक्सचेंज कॉस्ट में भी बदलाव के कारण जनवरी 2025 में कीमतों में दो फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है।

किस वेरिएंट की कीमत में कितनी हुई बढ़ोतरी

जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से ऑफर किए जाने वाले बेस वेरिएंट 1.2 लीटर वाले नेचुरल एस्पिरेटिड You की कीमत में 26 हजार रुपये बढ़ाए गए हैं। 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल मैक्स मैनुअल और ऑटोमैटिक की कीमतों में 21 हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। वहीं टर्बो पेट्रोल मैक्स की कीमत में 17 हजार रुपये, 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल प्लस मैनुअल और ऑटोमैटिक की कीमतों में 28 हजार रुपये तक बढ़ाए गए हैं। इसके मिड वेरिएंट 1.2 लीटर NA Plus की कीमतों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है।

कितनी हुई कीमत

सिट्रॉएन की बेसाल्ट एसयूवी की एक्स शोरूम कीमत अब 8.25 लाख रुपये से शुरू होगी और इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 14 लाख रुपये है।

किनसे है मुकाबला

सिट्रॉएन की बेसाल्ट को कूप एसयूवी सेगमेंट में साल 2024 में ही लॉन्च किया गया था। कंपनी ने इस एसयूवी में बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स दिए हैं। बाजार में इसका सीधा मुकाबला Tata Curvv के अलावा कीमत के मामले में Maruti Grand Vitara, Toyota Hyryder, Hyundai Verna, Kia Seltos जैसी एसयूवी के साथ होता है।

साल 2024 के आखिरी महीने में किन कारों को किया गया सबसे ज्यादा पसंद, जानें Top-5 में कौन सी कारें हुईं शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

दिसंबर में कारों की बिक्री 2024 भारतीय बाजार में हर महीने बड़ी संख्या में वाहनों की बिक्री होती है। जिनमें से कारों और एसयूवी का भी बड़ा योगदान रहता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक December 2024 के दौरान किन कारों की देश में सबसे ज्यादा मांग रही है। Top-5 में कौन कौन सी कंपनियों की कौन सी कारों को सबसे ज्यादा पसंद किया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। देश में हर महीने लाखों की संख्या में कारों की बिक्री होती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2024 के आखिरी महीने December में किन कारों की सबसे ज्यादा मांग रही है। Maruti, Hyundai, Tata, Mahindra, Kia जैसी कंपनियां हर महीने लाखों यूनिट्स की बिक्री करती हैं। Top-5 में किस कंपनी की कौन सी गाड़ी शामिल हुई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर Top-5 Cars ने कैसा प्रदर्शन (Car Sales in December 2024) किया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Top-5 कारों की कुल कितनी हुई बिक्री

देश में हर महीने लोग बड़ी संख्या में कारों को खरीदते हैं। साल 2024 के आखिरी महीने में भी ग्राहकों को हर साल की तरह बड़े-बड़े Discount Offers दिए गए थे। जिसका फायदा उठाते हुए लोगों ने लाखों की संख्या में कारों को खरीदा। Top-5 कारों की कुल बिक्री 82341 यूनिट्स की रही है।

सबसे ज्यादा रही किस गाड़ी की मांग

रिपोर्ट्स के मुताबिक December 2024 के दौरान सबसे ज्यादा जिस गाड़ी की मांग देखी गई, वह Maruti Brezza है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में आने वाली इस गाड़ी की 17336 यूनिट्स की बिक्री बीते महीने के दौरान हुई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर इसकी ब्रिकी में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। December 2023 में इसकी 12844 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

दूसरे नंबर पर रही यह गाड़ी

Top-5 Cars की लिस्ट में दूसरे नंबर पर भी मारुति की ही गाड़ी रही। Maruti Wagon R को भी बीते महीने के दौरान बड़ी संख्या में ग्राहकों ने पसंद किया है। जानकारी के मुताबिक इस गाड़ी की कुल बिक्री 17303 यूनिट्स की रही है। इसके पहले December 2023 में इसकी 8578 यूनिट्स की बिक्री हुई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर इसकी बिक्री में 102 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

Top-3 में शामिल हुई Maruti Dzire

मारुति की ओर से कॉम्पैक्ट सेडान के तौर पर Maruti Dzire की बिक्री की जाती है। कंपनी ने इस गाड़ी की नई जेनरेशन को नवंबर 2024 में ही लॉन्च किया है। लेकिन इसे पसंद करने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है। जानकारी के मुताबिक इसकी December 2024 में 16573 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि December 2023 के दौरान इसकी 14012 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

अगले नंबर पर रही यह गाड़ी

Maruti की ओर से ही ऑफर की जाने वाली MPV Maruti Ertiga को भी December 2024 में लोगों ने काफी पसंद किया है। इस गाड़ी की बीते महीने के दौरान 16056 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि December 2023 में यह संख्या 12975 यूनिट्स की थी।

Top-5 में शामिल हुई Tata Punch SUV

टाटा मोटर्स की ओर से सबसे सस्ती एसयूवी के तौर पर ऑफर की जाने वाली Tata Punch भी लोगों को काफी पसंद आती है। इस एसयूवी की भी December 2024 के दौरान 15073 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि इसके पहले December 2023 में इसकी 13787 यूनिट्स की बिक्री देशभर में हुई थी।

पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों की तुलना में डिजिटल शिक्षण में एआई का उदय

विजय गर्ग

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने के माध्यम से आधुनिकीकरण की दिशा में पारंपरिक शिक्षण विधियों को लाया गया। आईबीईएफ ने आंकड़े प्रकाशित किए हैं जो दर्शाते हैं कि भारतीय एडटेक बाजार 2021 में 700-800 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2031 तक 30 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह वृद्धि डिजिटल शिक्षण समाधानों के प्रति रुझान को दर्शाती है जो अधिक वैयक्तिकृत, कुशल प्रदान करने के लिए एआई पर निर्भर हैं। और सुलभ शिक्षा. इसके अलावा, केपीएमजी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद ई-लर्निंग का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जो स्पष्ट रूप से देश के मजबूत डिजिटल शिक्षण परिवर्तन का संकेत देता है। कृत्रिम होशियारी भारत में जो समस्याएँ देखी जा रही हैं उनमें से एक स्कूल नामांकन और उच्च शिक्षा नामांकन के बीच असंतुलन है। दिलचस्प बात यह है कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष टीजी सीतारम के अनुसार, हर साल लगभग 25 करोड़ छात्र स्कूलों में प्रवेश लेते हैं, और केवल 28% ही उच्च शिक्षा जारी रखते हैं। यह अंतराल मुख्यतः आर्थिक बाधाओं के कारण है। अधिकांश छात्रों को उच्च अध्ययन के लिए भारी शुल्क से निपटना बेहद मुश्किल लगता है, जिससे लाखों प्रतिभाशाली दिमाग अवसर के दायरे से बाहर रह जाते हैं। शायद, ऐआई ही वह माध्यम है जिसके माध्यम से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। यह किफायती, सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण मंच प्रदान कर रहा है। छात्र एआई-सक्षम प्लेटफार्मों के माध्यम से अपनी भौगोलिक या वित्तीय सीमाओं के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। यह संभावित रूप से उच्च शिक्षा नामांकन का प्रतिशत बढ़ा सकता है और सीखने के लिए अधिक न्यायसंगत पहुंच प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, एक और मुद्दा जो एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करता है वह है गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की कमी। यूनेस्को के अध्ययन के अनुसार, भारत में 1 मिलियन से अधिक शिक्षण रिक्तियां हैं, और लगभग 1.1 लाख स्कूल केवल एक शिक्षक के साथ कार्य करते हैं। यह समस्या मुख्य रूप से देश भर के दूरदराज के क्षेत्रों में मौजूद है। अफसोस की बात है कि इन कस्बों में लगभग 65% शिक्षण स्टाफ खाली है। अब, इस परिदृश्य में एआई की भूमिका बेहद उपयोगी हो जाती है, क्योंकि यह एक पूरक शिक्षण उपकरण की तरह काम करता है। शिक्षकों के इस स्तर की कमी के साथ, एआई-संचालित प्लेटफ़ॉर्म आभासी शिक्षण सहायक के रूप में काम कर सकते हैं, जो छात्रों को सीखने की पाठ्यक्रम पुस्तकों, व्यक्तिगत मार्गदर्शन और अधिक इंटरैक्टिव शिक्षण अनुभवों तक पहुंच प्रदान करके अंतर को पाटने में मदद करते हैं। केवल तकनीकी प्रगति से परे, एआई एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में भी खड़ा है जो शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाने की क्षमता रखता है। अनुकूली शिक्षण प्रौद्योगिकियों जैसे उपकरण व्यक्तिगत छात्रों के लिए पाठों को संशोधित कर सकते हैं, उनकी शैक्षिक यात्रा को बढ़ा सकते हैं। अनुकूली शिक्षा, शिक्षा में एआई का एक मूलभूत पहलू, प्लेटफार्मों को छात्र की प्रगति के आधार पर सामग्री की कठिनाई को समायोजित करने की अनुमति देता है। पोपेनिसी और केर (2017) बताते हैं कि कैसे एआईईडी के अनुप्रयोग तेजी से विकसित हो रहे हैं, शिक्षा प्रदान करने के तरीके को नया आकार दे रहे हैं। जेनरेटिव एआई प्रौद्योगिकियां, जो इंटरैक्टिव और आकर्षक सामग्री बनाती हैं, महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित कर रही हैं और एआईईडी उद्योग के बढ़ते विकास में सहायक हैं। एआईईडी की अनुकूली शिक्षण तकनीकें परीक्षण परिणामों को 62% तक बढ़ाने में सिद्ध हुई हैं, एआई-संचालित शिक्षण से छात्रों के समग्र प्रदर्शन में 30% सुधार हुआ है और चिंता में 20% की कमी आई है। जीएचऐपीटी का संस्करण विशेष रूप से उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका मूल विचार गोपनीयता सुविधाओं को बढ़ावा देना हैसुरक्षा। यह दर्शाता है कि एआई कितना लचीला है और शिक्षा परिदृश्य के साथ तालमेल बिठा रहा है। इन नवोन्मेषी पेशकशों से पता चलता है कि एआई कैसे भविष्य की कक्षाओं में आमूल-चूल बदलाव ला सकता है। इस तरह के नवाचार भविष्य की कक्षाओं को आकार देने के लिए एआई की क्षमता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। यह सीखने के अनुभवों को एक ही समय में कुशल, अनुरूप और आकर्षक बनाता है। वास्तव में, हमारे देश में ऐआई वही हो सकता है जिसकी शिक्षा प्रणाली को सख्त इच्छा है। जनसंख्या में उच्च वृद्धि दर के साथ, गुणवत्तापूर्ण, कम लागत वाली शिक्षा की सुविधा एक बाधा बन जाती है। इस प्रकार ऐआई एक आशाजनक समाधान प्रस्तुत करता है। यह सीखने के अवसरों को बढ़ाने, उन्हें अधिक सुलभ और किफायती बनाने में मदद करता है। एआई-आधारित प्लेटफ़ॉर्म प्रत्येक छात्र की ज़रूरतों, रुचियों और अनुभव के अनुरूप वैयक्तिकृत शिक्षण पथ बनाते हैं, पारंपरिक कक्षाओं के विपरीत जो एक-आकार-सभी-फिट-सभी दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं। एआई शिक्षा को और अधिक सुलभ बना रहा है। विकलांग छात्रों के लिए, टेक्स्ट-टू-स्पीच और स्पीच रिकग्निशन जैसे उपकरण उन्हें उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप पाठों के साथ बातचीत करने का मौका देते हैं। एआई शैक्षिक सामग्री को विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करके गैर-देशी वक्ताओं की भी मदद करता है, भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करता है जो अक्सर छात्रों को पीछे रखती हैं। कई मामलों में, पारंपरिक कक्षाएँ सभी छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरी तरह से संबोधित नहीं कर सकती हैं, विशेष रूप से विकलांग या भाषा कठिनाइयों वाले छात्रों की। एआई इन अंतरालों को भरता है, यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षा अधिक लोगों तक पहुंचे और अधिक समावेशी हो। यह शिक्षकों को बदलने या सीखने के मूल को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि अधिक छात्रों को उनकी क्षमताओं या भाषा कौशल की परवाह किए बिना सफल होने का बेहतर मौका देने के बारे में है। एआई मूल्यांकन की प्रक्रिया को भी बढ़ाता है। अनुकूली मूल्यांकन के माध्यम से, एआई पिछले सबमिशन के आधार पर परीक्षणों और क्विज़ की कठिनाई के स्तर को समायोजित कर सकता है। छात्रों को विशिष्ट क्षेत्रों में सीखने और सुधार करने की संभावना और प्रेरणा लगातार दी जाती है, क्योंकि उन्हें समय पर और प्रासंगिक प्रतिक्रिया मिलती है कि क्या बदलाव की जरूरत है। दूसरी ओर, पारंपरिक मूल्यांकन अधिक स्थिर होते हैं और यह न्यूनतम प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं। यह स्वयं सीखने के लिए कोई बड़ा दायरा प्रदान नहीं करता है। साथ ही, पारंपरिक कक्षा व्यवस्था में एक शिक्षक के लिए, प्रत्येक छात्र की प्रगति और सीखने की शैली की बारीकी से निगरानी करना, विशेष रूप से बड़ी कक्षा के आकार में। हालाँकि, ऐआई प्लेटफ़ॉर्म को प्रत्येक छात्र के सीखने के पैटर्न की निगरानी करने, यह मूल्यांकन करने में सक्षम बनाता है कि वे सामग्री के साथ कैसे बातचीत करते हैं और सीखने के परिणामों में सुधार के लिए सिफारिशें करते हैं। पारंपरिक शिक्षण परिवेश में संपूर्ण समझ के इस स्तर की नकल करना लगभग असंभव है। एआई शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए समय बचाने के साथ-साथ त्वरित, अधिक सटीक सहायता प्रदान करता है। गेमिफाइड लर्निंग और इंटरैक्टिव सामग्री के रूप में एआई में पारंपरिक तरीकों की तुलना में कहीं अधिक अनूठी विशेषताएं हैं। एआई प्रौद्योगिकियां ऐसी सामग्री तैयार कर सकती हैं जो एक उत्तेजक वातावरण का निर्माण करती है जिसमें छात्र कुछ नया सीखते समय जानकारी के निष्क्रिय प्राप्तकर्ताओं से अधिक होते हैं। हम इस बात से अच्छी तरह परिचित हैं कि पारंपरिक शिक्षा मुख्य रूप से कक्षा के व्याख्यानों और पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित है, लेकिन एआई कुछ जटिल विषयों को समझने में बहुत प्रभावी तरीके से शामिल होने में सक्षम बनाता है। यह विधि छात्रों को न केवल जानकारी को बेहतर तरीके से रखने में मदद करती है बल्कि उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित भी करती है। इसके अलावा, शिक्षा में एआई के बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि यह शिक्षकों की जगह ले लेगा; बल्कि, इससे उनकी भूमिका में सुधार होता है। ग्रेडिंग और प्रशासनिक कर्तव्यों जैसे कार्यों को संभालकर, एआई शिक्षकों को सलाह देने और वैयक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मुक्त करता हैघ छात्र अंतःक्रिया-ऐसे क्षेत्र जहां मानवीय संबंध आवश्यक है। अन्य तरीकों से, हम आसानी से कह सकते हैं कि एआई कक्षा में एक प्रशिक्षक की तरह है, जो छात्रों की मदद के लिए वास्तविक समय पर सिफारिशें/सुझाव और फीडबैक प्रदान करता है। एआई उन बाधाओं को दूर करता है जिनका पारंपरिक शिक्षण आमतौर पर सामना करता है। ये लागत और स्थान के कारण प्रतिबंधित हैं। इसके अलावा, यह अधिक समावेशी और सुलभ शैक्षिक अनुभव को प्रोत्साहित करता है। सबसे अच्छी बात यह है कि छात्रों को अपनी इच्छा के अनुसार सीखने का अवसर मिल सकता है। पारंपरिक कक्षा शिक्षा पद्धतियाँ व्याख्यानों पर निर्भर करती हैं जो हमेशा सीखने का सबसे अच्छा तरीका नहीं है, लेकिन एआई उपकरण सभी छात्रों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं। समय और शिक्षक की उपलब्धता भी आज की पारंपरिक कक्षाओं के लिए सीमाएँ बन गई हैं। दूसरी ओर, प्रौद्योगिकी छात्रों को जब चाहें तब शिक्षण सामग्री तक पहुंचने की अनुमति देती है। मूल्यांकन के पारंपरिक रूप छात्र के प्रदर्शन पर विस्तृत प्रतिक्रिया देने में असमर्थ हैं, लेकिन एआई छात्रों को तत्काल प्रतिक्रिया प्राप्त करने और कार्रवाई से पहले ही यह समझने में सक्षम बनाता है कि कैसे सुधार किया जाए। जैसे-जैसे भारत वैश्विक एडटेक बाजार में अपनी स्थिति को चिह्नित करने के लिए तैयार हो रहा है, एआई शिक्षकों की कमी और उच्च लागत जैसी महत्वपूर्ण शिक्षा चुनौतियों को दूर करने में मदद कर सकता है। एआई का उपयोग करके, भारत लाखों छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकता है, जिससे सभी के लिए सीखना निष्पक्ष और अधिक प्रभावी हो जाएगा। शिक्षा का भविष्य डिजिटल है, और एआई इसका नेतृत्व कर रहा है।

सामाजिक-आर्थिक प्रगति का आधार : भारत की डिजिटल प्रगति

विजय गर्ग

भारत निरंतर डिजिटल प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है।भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए मुद्रा और वित्त पर जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत वैश्विक स्तर पर डिजिटल क्रांति में सबसे आगे है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि आज भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई है। विश्व बैंक की ताज़ा रिपोर्ट भारत के तकनीकी विकास की सराहना करती नजर आती है क्यों कि आज भारत की तकनीकी प्रगति विभिन्न रिमोट एरिया (दूर-दराज के क्षेत्रों), विभिन्न छोटे और मंझले उद्यमियों के लिए फायदेमंद साबित होकर अंततः अर्थव्यवस्था को ही मजबूत कर रही है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में इंटरनेट की पहुँच वर्ष 2023 में 55 % थी। पिछले तीन वर्षों में इंटरनेट उपयोगकर्ता आधार में 199 मिलियन की वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, भारत में प्रति गीगाबाइट (जीबी) डाटा का मूल्य दुनिया भर में सबसे कम है, जो औसतन 13.32 रुपये प्रति जीबी है। यह भी उल्लेखनीय है कि आज भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा मोबाइल डाटा खपत वाले देशों में से एक है, जहाँ वर्ष 2023 में प्रति उपयोगकर्ता प्रति माह औसत खपत 24.1जीबी रही। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज देश का कमजोर वर्ग भी लगातार सशक्त हो रहा है। आंकड़े बताते हैं कि आज देश के करीब 53 करोड़ जनधन खातों, 138 करोड़ आधार कार्ड धारकों और 117 करोड़ मोबाइल उपभोक्ताओं के त्रिआयामी जुड़ाव के जरिये आम आदमी डिजिटल दुनिया से जुड़ गया है। यही नहीं, ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की उपलब्धता, जो महज छह करोड़ लोगों तक सीमित थी, पिछले दस वर्षों में करीब 94 करोड़ लोगों तक पहुंच चुकी है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वैश्विक स्तर पर, भारत बायोमेट्रिक आधारित पहचान (आधार) और वास्तविक समय भुगतान की मात्रा में पहले स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर दूरसंचार उपभोक्ताओं में दूसरे स्थान पर है और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र के मामले में तीसरे स्थान पर है। कुछ समय पहले भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए मुद्रा और वित्त पर जो रिपोर्ट जारी की गई थी, उसके अनुसार भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था वर्तमान में इसके सकल घरेलू उत्पाद(जीडीपी) के दसवें हिस्से का निर्माण करती है जो वर्ष 2026 तक जीडीपी का पांचवां हिस्सा हो जाएगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज वित्त, खुदरा, निर्यात क्षेत्र में डिजिटलीकरण को लगातार बढ़ावा मिला है। संक्षेप में यह बात कही जा सकती है कि आज भारत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे, एक जीवंत वित्तीय प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने के लिए अनुकूल नीतिगत माहौल का लाभ उठा रहा है। आज भारत में यूपीआइ सिस्टम की प्रशंसा देश-दुनिया में की जा रही है और छोटे से छोटे और बड़े से बड़े भुगतान आनलाइन किए जा रहे हैं। सच तो यह है कि यूपीआई सिस्टम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। कितनी अच्छी बात है कि आज गांवों और सूदूर क्षेत्रों में भी आसानी से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग हर कोई कर रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2023 में रिकॉर्ड तोड़ 118 बिलियन यूपीआई लेनदेन वित्तीय परिदृश्य के डिजिटल परिवर्तन को उजागर करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज देश में डिजिटल प्रगति ने देश में आय सृजन के नए अवसर पैदा किए हैं। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और डिजिटल भुगतान ने छोटे व्यापारियों व विक्रेताओं को व्यापक बाजार तक पहुंच दी है। माई गर्वनमेंट का उमंग ऐप 50 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं को 1700 से अधिक सरकारी सेवाओं तक आज पहुँच प्रदान कर रहा है। इतना ही नहीं, ई-हॉस्पिटल 380 मिलियन से अधिक पंजीकृत रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच को सरल बनाता है। पीएमजी दिशा ने ग्रामीण समुदायों में 50 मिलियन से अधिक व्यक्तियों को डिजिटल कौशल में प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया है। हालांकि इसी बीच साइबर फ्राड और ठगी एक चिंता का विषय जरूर रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि

गृह मंत्रालय ने अपनी 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में बताया है कि साल 2021 से मार्च 2024 के बीच भारत में 14,570 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी हो चुकी है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में इस दौरान साइबर अपराध की 2.16 करोड़ शिकायतें आ चुकीं हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि शिकायतों की संख्या 2021 में 136,604 से बढ़कर 2022 में 513,334 और 2023 में 1,129,519 हो गई है। 2024 में मार्च तक 381,854 शिकायतें दर्ज की गईं। यह दिखाता है कि देश में जैसे जैसे डिजिटलीकरण को बढ़ावा मिला है, साइबर ठगों के भी हौंसले बुलंद हुए हैं। गौरतलब है कि दुनिया में साइबर हमलों के मामले में अमेरिका के बाद दूसरा नंबर भारत का ही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष यानी 2024 में भारत की 95 इकाइयों को डाटा चोरी का सामना करना पड़ा। यह हैरान कर देने वाली जानकारी साइबर इंटेलिजेंस कंपनी क्लाउडएसइके की ताजा रिपोर्ट में सामने आई है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत के गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और टेलीग्राम एक बार फिर साइबर अपराधियों के पसंदीदा प्लेटफॉर्म बन गए हैं। रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि साइबर धोखाधड़ी के लिए व्हाट्सएप सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया जाने वाला प्लेटफॉर्म है, लेकिन कहना ग़लत नहीं होगा कि सतर्कता बरतकर इन साइबर ठगी और धोखाधड़ी से बचा जा सकता है। बहरहाल,पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यूपीआई लेनदेन 2023-24 में 13,100 करोड़ रुपये से तीन गुना बढ़कर 2028-29 में 43,900 करोड़ रुपये हो जाएगा, जो डिजिटल खुदरा लेनदेन का 91 प्रतिशत होगा, जो यह दर्शाता है कि आज देश में यूपीआई समेत विभिन्न डिजिटल सेवाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत की डिजिटल प्रगति पिछले आठ-दस वर्षों में निस्संदेह सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का आधार बनी है, जो हाशिए पर खड़े व्यक्ति को भी मुख्यधारा में ला रही है। इससे विश्व स्तर पर भारत की स्थिति काफी मजबूत हुई है। सच तो यह है कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 1 जुलाई, 2015 को शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी पहल डिजिटल इंडिया ने पिछले कुछ वर्षों में एक क्रांति का रूप ले लिया है और आज यह एक जन आंदोलन बन गया है। अंत में, यही कहूंगा कि आज आधार, यूपीआई और डिजी लॉकर जैसी पहलों का कार्यान्वयन फेसलेस, कैशलेस और पेपरलेस गवर्नेंस सुनिश्चित कर रहा है जिसने एक मजबूत, सुदृढ़ और सुरक्षित डिजिटल इंडिया की नींव रखी है। निश्चित रूप से आने वाला समय भारत का ही होगा जब हम डिजिटलीकरण की दिशा में नंबर वन बन जायेंगे।

पर्यावरण बचाने के साथ संवारे अपना भविष्य

विजय गर्ग

जिस तरह से जनसंख्या तेजी से बढ़ती जा रही है, उसी तेजी से जंगलों में पेड़ों की कटाई भी की जा रही है। इसका नतीजा पर्यावरण प्रदूषण में बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिल रहा है। प्रदूषण के कारण स्कूलों और दफ्तरों के बंद होने, आउटडोर स्पोर्ट्स और एक्टिविटी पर रोक, निर्माण कार्यों और भारी वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाने जैसी चीजें अब आम होने लगी हैं। इसी के चलते ग्लोबल वार्मिंग भी बढ़ रही है।

अर्थव्यवस्था को नुकसान से बचाते हुए प्रदूषण के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए पर्यावरण संरक्षण विशेषज्ञों की मांग दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही है। एक रपट के मुताबिक, प्रदूषण के कारण भारत को सालाना नौ हजार अरब रुपए का नुकसान होता है जो देश की जीडीपी का लगभग 3.5 फीसद है। हालांकि देश में यूजी स्तर पर कम संस्थानों में कोर्स उपलब्ध होने के कारण थोड़ी परेशानी होती है, लेकिन बेहतर नौकरी के लिए ऊंची डिग्री जरूरी होती है।

विशेषज्ञों के कई विकल्प

पर्यावरण विज्ञान का संबंध पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारकों और जीवित प्राणियों की पर्यावरण पर निर्भरता से है। इसमें पर्यावरण परिवर्तन, जैव विविधता, अलग-अलग तरह के प्रदूषण और पर्यावरण पर इनके प्रभाव आदि के बारे में बताया जाता है। इसका क्षेत्र काफी व्यापक है और इसे अलग-अलग शाखाओं में बांटा गया है। पर्यावरण रसायन विज्ञान वातावरण में स्रोतों, प्रतिक्रियाओं, परिवहन, प्रभाव, और रसायनों की चेतावनी और इन पर मानव और जैविक गतिविधियों के प्रभाव को परिभाषित करने का अध्ययन है। जियो साइंस पृथ्वी की संरचनाओं और वायुमंडलीय विज्ञान पृथ्वी के वायुमंडल और इसकी विभिन्न आंतरिक कार्यशील भौतिक प्रक्रियाओं का अध्ययन है। पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान स्थलीय, वायु, जलीय, समुद्री और अलौकिक वातावरण में सूक्ष्मजीवों के कार्य, संरचना और अंतःक्रिया का अध्ययन है। जबकि परिवेशीय आंकलन पर्यावरणीय मूल्यांकन को एक परियोजना के पर्यावरणीय प्रभावों की तीव्रता और महत्व का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है।

जरूरी योग्यता

भौतिकी, रसायन और बायोलाजी के साथ बारहवीं कर चुके छात्र पर्यावरण विज्ञान के स्नातक डिग्री कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं, लेकिन यूजी कोर्स देश के कुछ संस्थानों में ही मौजूद हैं। अधिकतर संस्थानों में प्रवेश जेईई या संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा के जरिए मिलता है। एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए साइंस स्ट्रीम में ग्रेजुएशन कर चुके छात्र आवेदन कर सकते हैं। कई सरकारी और निजी संस्थानों से इसका पीजी डिप्लोमा कोर्स भी किया जा सकता है।

बेहतर करिअर के लिए उच्च डिग्री जरूरी

पर्यावरण विज्ञान रिसर्च आधारित स्ट्रीम है और इसमें बेहतर करिअर के लिए उच्च डिग्री जरूरी मानी जाती है। मास्टर डिग्री या पीएचडी कर चुके छात्रों के लिए नौकरी के अवसर ज्यादा होते हैं। उन्हें ज्यादा पैकेज मिलता है और करियर में आगे बढ़ने की संभावनाएं भी ज्यादा होती हैं।

वेतन

यूजी कोर्स करने के बाद निजी क्षेत्र में एंट्री लेवल पर छात्रों का शुरुआती पैकेज दो से तीन लाख रुपए सालाना तक होता है। मास्टर डिग्री ले चुके छात्रों को तीन से चार लाख रुपए सालाना पैकेज पर नियुक्त किया जाता है। शीर्ष संस्थानों से कोर्स करने वाले छात्रों को पांच से छह लाख रुपए सालाना तक का पैकेज मिल सकता है।

छात्रों के समग्र विकास की विकास की पहल

विजय गर्ग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एक समग्र एवं बहु-विषयक शिक्षा प्रणाली के माध्यम से छात्रों के सर्वांगिण विकास को सुनिश्चित करने को प्रमुख लक्ष्य के रूप में रखा गया है। शिक्षा नीति के परिच्छेद 11.1 एवं 11.3 में उल्लिखित है, 'भारत में समग्र एवं बहु-विषयक तरीके से सीखने की एक प्राचीन परंपरा है एक समग्र और बहु- विषयक शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की सभी क्षमताओं- बौद्धिक, सौंदर्यात्मक, सामाजिक, शारीरिक, भावात्मक तथा नैतिक को एकीकृत तरीके से विकसित करना होगा। विभिन्न नवाचारों के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों को छात्रों के समग्र विकास में सहायक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस क्रम में छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनका उद्देश्य छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना, विभिन्न शैक्षणिक दबाव, व्यवहार संबंधी मुद्दों, तनाव, करियर संबंधी चिंताओं, अवसाद सहित छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सभी समस्याओं का निवारण करना, छात्रों में सकारात्मक सोच और भावनाएं पैदा करना तथा छात्रों के लिए एक सकारात्मक और सहायक संरचना को बढ़ावा देना है। इसके लिए आयोग ने उच्च शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में छात्र सेवा केंद्र (एसएससी) स्थापित करने का सुझाव दिया है। इन सेवा केंद्रों का कार्य छात्रों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप शारीरिक- मानसिक सहायता उपलब्ध कराना तथा उनकी तत्संबंधी समस्याओं का समाधान करना होगा। इसके लिए छात्र सेवा केंद्रों को अपने शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक तथा संबंधित उपकरण रखने होंगे, जिससे छात्रों को ठीक प्रकार से सहायता प्रदन की जा सके। साथ ही यह सेवा केंद्र विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्रों से भी निरंतर संपर्क और सहयोग बनाए रखेंगे। दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि छात्र सेवा केंद्र समय-समय पर काउंसलिंग करियर मार्गदर्शन, शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर संवाद सत्र का आयोजन भी करेंगे। 'छात्र सेवा केंद्र' उच्च शिक्षण संस्थानों मैं छात्रों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य एवं विकास से संबंधित विषयों के लिए एकल व्यवस्था के रूप में कार्य करेगा।

विचार करें तो बदलते समय के साथ शिक्षा क्षेत्र में छात्रों चुनौतियाँ और कठिनाइयों का स्वरूप भी बदल रहा है आज के द्रुतगामी समय के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ना छात्रों के लिए एक बड़ी चुनती है। जीवन में तकनीक के प्रवेश ने संभावनाओं के नूतन गवाक्ष अवश्य खेले हैं, किंतु उन गवाक्षों से विकास की बयार के साथ- साथ नई-नई समस्याओं के कुछ तेज झोंके भी आ रहे हैं। उदाहरण के तौर पर स्मार्टफोन और इंटरनेट ने छात्रों के लिए ज्ञान प्राप्ति के दायरे को निस्संदेह बहुत विस्तृत किया है, किंतु इसपर अतिशय निर्भरता छात्रों के शारीरिक- मानसिक स्वास्थ्य एवं विकास के लिए समस्या भी बन रही है। फोन, टैब जैसे उपकरणों पर अधिक समय देना छात्रों की शारीरिक-मानसिक गतिविधियों को कुंद कर रहा है। छात्रों की ऊर्जस्वी सक्रियता, एकाग्रता, विषय को समझने की क्षमता पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जो कि उनकी शैक्षिक प्रगति को बाधित करता है। छात्र ये चीजें समझ नहीं पाते, परंतु इससे अपनी क्षति करते रहते हैं। इसके साथ ही बढ़ती उम्र के साथ अपने भीतर आ रहे शारीरिक- मानसिक परिवर्तनों को जानने-समझने के प्रति भी छात्रों में बहुधा जागरूकता का अभाव ही देखने को मिलता है। वे अपने भीतर परिवर्तन अनुभव करते हैं, नई अनुभूतियां उनके मन में जगती हैं, किंतु ऐसा क्यूँ हो रहा है और इसके साथ स्वयं को कैसे ढाला जाए, इसे वे ठीक से समझ नहीं पाते। परिणामतः बहुत से छात्र इन परिवर्तनों के प्रति सहज नहीं हो पाते, जिसका प्रतिकूल प्रभाव उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है अब बिना उत्तम स्वास्थ्य के शैक्षिक विकास भला कैसे हो सकता है? ऐसे छात्र शैक्षिक विकास की दौड़ में भी पिछड़ते जाते हैं और परिवार मित्रों के दबाव में तनाव- अवसाद से ग्रस्त हो जाते हैं। छात्रों को ऐसी स्थितियों से बचाने के उद्देश्य से ही यूजीसी द्वारा उक्त दिशानिर्देश लाए गए हैं। महाविद्यालयों में छात्र सेवा केंद्र' की स्थापना के बाद छात्र अपनी समस्याएं वहां बता पाएंगे तथा सही समय पर उनकी समस्याओं को दूर किया जा सकेगा।

छात्रों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को उत्तम रखकर ही उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है। संतोषजनक है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने इस तथ्य को समझा और अब यूजीसी तदनुरूप कदम उठा रहा है।

• सीबीएसई/आईसीएसई/राज्य बोर्ड परीक्षा के लिए बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए मेमोरी टिप्स

विजय गर्ग

2025 की बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे कक्षा 10 और 12 के छात्रों के लिए यहां कुछ प्रभावी मेमोरी टिप्स दी गई हैं:

1. अध्ययन सामग्री व्यवस्थित करें

विषयों को सारांशित करने के लिए फ़्लोचार्ट, आरेख और तालिकाओं का उपयोग करें।

त्वरित पुनरीक्षण के लिए सूत्रों, मुख्य परिभाषाओं और महत्वपूर्ण बिंदुओं के लिए अलग-अलग नोट्स बनाए रखें।

2. पोमोडोरो तकनीक का पालन करें

केंद्रित अंतरालों में अध्ययन करें (उदाहरण के लिए, 25 मिनट का अध्ययन और उसके बाद 5 मिनट का ब्रेक)।

4-5 सत्रों के बाद रिचार्ज करने के लिए एक लंबा ब्रेक लें।

3. सक्रिय सीखने की तकनीकें

किसी और को सिखाएं: किसी विषय को समझाने से आपकी समझ मजबूत होती है।

पेचीदा अवधारणाओं के लिए निमोनिक्स और एक्रोनिम्स का उपयोग करें (उदाहरण के लिए, गणित में संचालन के लिए BODMAS)।

महत्वपूर्ण बिंदुओं को तुरंत याद करने के लिए फ़्लैशकार्ड बनाएं।

4. नियमित अभ्यास करें

पैटर्न से परिचित होने के लिए पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों और नमूना पत्रों को हल करें।

परीक्षा स्थितियों का अनुकरण करने के लिए मॉक टेस्ट का उपयोग करें।

5. अंतराल पर दोहराव

नियमित अंतराल पर विषयों की समीक्षा करें (उदाहरण के लिए, 1 दिन, 1 सप्ताह, 1 महीना)।

पुनरीक्षण शेड्यूल करने के लिए ऐप्स या योजनाकारों का उपयोग करें।

6. अवधारणाओं को जोड़ें

विषयों को वास्तविक जीवन के उदाहरणों से जोड़ें या उन्हें अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए कहानियाँ बनाएँ।

रटने की बजाय अवधारणाओं के पीछे के तर्क को समझें।

7. शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहें

याददाश्त बनाए रखने में सुधार के लिए पर्याप्त नींद (प्रति रात 6-8 घंटे) सुनिश्चित करें।

हाइड्रेटेड रहें और दिमाग बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ जैसे नट्स, फल और सब्जियां खाएं।

8. टालमटोल से बचें

ट्रैक पर बने रहने के लिए दैनिक शेड्यूल या कार्य सूची का उपयोग करें।

बड़े विषयों को छोटे-छोटे खंडों में विभाजित करें और प्राप्त करने योग्य लक्ष्य निर्धारित करें।

9. डिजिटल उपकरण

फ़्लैशकार्ड के लिए अनकी या अध्ययन सामग्री को व्यवस्थित करने के लिए नोशन जैसे ऐप्स का उपयोग करें।

दृश्य सुदृढ़ीकरण के लिए लघु, विषय-विशिष्ट वीडियो देखें।

10. तनाव प्रबंधन

गहरी साँस लेने, योग या ध्यान जैसी विश्राम तकनीकों का अभ्यास करें।

यदि आप अभिभूत महसूस कर रहे हैं तो किसी शिक्षक या सहकर्मी से बात करें।

याद रखें, निरंतर प्रयास और सकारात्मक मानसिकता बोर्ड परीक्षा में सफलता की कुंजी है। आपको कामयाबी मिले!

• ग्रामीण पुस्तकालय ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका महत्व इन समुदायों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों से उपजा है, जिसमें शिक्षा, प्रौद्योगिकी और सूचना संसाधनों तक सीमित पहुंच शामिल है। ग्रामीण पुस्तकालय क्यों आवश्यक हैं इसके प्रमुख कारण यहां दिए गए हैं:

विजय गर्ग

1. साक्षरता एवं शिक्षा को बढ़ावा देना

वे सभी उम्र के लोगों के बीच साक्षरता और आजीवन सीखने को बढ़ावा देते हुए पुस्तकों, शिक्षण सामग्री और शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करते हैं।

पुस्तकालय अक्सर पूरक संसाधनों और अध्ययन स्थानों की पेशकश करके स्कूलों का समर्थन करते हैं।

2. डिजिटल विभाजन को पाटना

ग्रामीण पुस्तकालय अक्सर इंटरनेट पहुंच और डिजिटल संसाधनों के एकमात्र स्रोत के रूप में काम करते हैं, जो निवासियों को व्यापक दुनिया से जुड़ने में सक्षम बनाते हैं।

वे डिजिटल साक्षरता में प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जिससे व्यक्तियों को प्रौद्योगिकी-संचालित दुनिया में आवश्यक कौशल हासिल करने में मदद मिलती है।

3. सांस्कृतिक संरक्षण

ग्रामीण पुस्तकालयों में अक्सर स्थानीय इतिहास, सांस्कृतिक कलाकृतियाँ और मौखिक परंपराएँ होती हैं, जो क्षेत्र की अनूठी विरासत को संरक्षित करती हैं।

वे सांस्कृतिक कार्यक्रम, कहानी सुनाने के सत्र और कार्यशालाएँ आयोजित करते हैं जो स्थानीय परंपराओं का जश्न मनाते हैं।

4. आर्थिक विकास

पुस्तकालय समुदाय के सदस्यों को नौकरी के अवसरों, उद्यमशीलता संसाधनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों तक पहुँचने में मदद करते हैं।

वे बाज़ारों, तकनीकों और वित्त पोषण के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करके किसानों, छोटे व्यवसाय मालिकों और कारीगरों का समर्थन करते हैं।

5. सामाजिक समावेशन और सामुदायिक निर्माण

वे सुरक्षित और समावेशी स्थानों के रूप में कार्य करते हैं जहां लोग इकट्ठा हो सकते हैं, विचार साझा कर सकते हैं और सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं।

पुस्तकालय अक्सर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग व्यक्तियों सहित हाशिए पर रहने वाले समूहों की जरूरतों को पूरा करते हैं, उन्हें ज्ञान और अवसरों के साथ सशक्त बनाते हैं।

6. स्वास्थ्य और खुशहाली

पुस्तकालय स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रसारित करते हैं, जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

वे व्यक्तिगत विकास के लिए शांतिपूर्ण वातावरण और संसाधनों तक पहुंच प्रदान करके मानसिक स्वास्थ्य का भी समर्थन कर सकते हैं।

पेशनधारकों को सरकार का बड़ा तोहफा, सेंट्रलाइज्ड पेंशन पेमेंट सिस्टम शुरू; पढ़ें क्या होगा फायदा

परिवहन विशेष न्यूज

ईपीएफओ पेंशन की नई प्रणाली के कामयाब होने की घोषणा करते हुए केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली का पूर्ण कार्यान्वयन एक मील का पत्थर है। ईपीएफओ की यह परिवर्तनकारी पहल पेंशनभोगियों को देश में कहीं भी किसी भी बैंक और शाखा से अपनी पेंशन हासिल करने में सक्षम बनाता है।

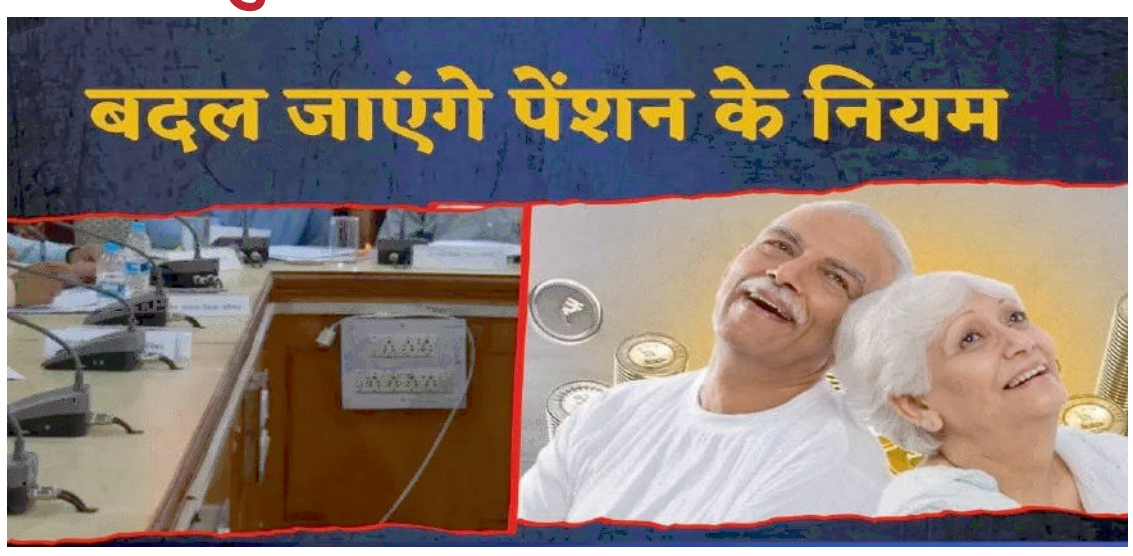

नई दिल्ली: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पेंशन सेवाओं के तहत केंद्रीयकृति पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) शत-प्रतिशत कामयाबी के साथ पूरे देश में लागू हो गई है।

पेंशन भुगतान सेवाओं की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ईपीएफओ ने दिसंबर 2024 में कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत ईपीएफओ के सभी 122 पेंशन वितरण क्षेत्रीय कार्यालयों से संबंधित 68 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को एक साथ पेंशन का खाते में भुगतान कर दिया है।

यह कदम एक मील का पत्थर: मनसुख मंडाविया

इसमें पेंशन धारकों को 1570 करोड़ रुपये की पेंशन राशि हस्तांतरित की गई है। ईपीएफओ पेंशन की नई प्रणाली के कामयाब होने की घोषणा करते हुए केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली का पूर्ण कार्यान्वयन एक मील का पत्थर है।

ईपीएफओ की यह परिवर्तनकारी पहल पेंशनभोगियों को देश में कहीं भी किसी भी बैंक और शाखा से अपनी पेंशन हासिल करने में सक्षम बनाता है। इसमें भौतिक सत्यापन के लिए पेंशनभोगियों के आने-जाने की आवश्यकता नहीं और पेंशन वितरण प्रक्रिया सरल है।

'पेंशन भुगतान की नई प्रणाली से हम तय कर रहे नया मानदंड'

मंडाविया ने कहा कि ईपीएफओ सेवाओं को आधुनिक बनाने और पेंशनभोगियों के लिए सुविधा, पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता का सीपीपीएस प्रमाण है। पेंशन भुगतान की दिशा में इसके जरिए हम नया मानदंड स्थापित कर रहे हैं।

मालूम हो कि सीपीपीएस का पहला पायलट अक्टूबर 2024 में करनाल, जम्मू और श्रीनगर क्षेत्रीय कार्यालयों में सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसमें 49,000 से अधिक पेंशनभोगियों को लगभग 11 करोड़ रुपए पेंशन का भुगतान किया गया।

किसी भी बैंक से पेंशन ले सकेंगे पेशनभोगी

दूसरा पायलट नवंबर 2024 में 24 क्षेत्रीय कार्यालयों में शुरू हुआ जिसमें 9.3 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को 213 करोड़ रुपए पेंशन वितरित हुए। सीपीपीएस के तहत ईपीएफओ का प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय केवल 3-4 बैंकों के साथ अलग-अलग समझौते करता है। इसमें पेंशनभोगी किसी भी बैंक से पेंशन ले सकेगा बल्कि पेंशन शुरू होने के समय किसी भी सत्यापन के लिए उसे बैंक जाने की आवश्यकता नहीं होगी और पेंशन जारी होते ही तुरंत जमा हो जाएगी।

जनवरी 2025 से सीपीपीएस पूरे देश में पेंशन का वितरण सुनिश्चित करेगी जिसमें पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित करने की आवश्यकता नहीं होगी। भले ही पेंशनभोगी एक स्थान से दूसरे स्थान पर चले जाएं या अपना बैंक या शाखा बदल लें। रिटायरमेंट के बाद अपने गृहनगर चले जाने वाले पेंशनभोगियों को इससे बड़ी सहूलियत होगी।

क्या चीनी का बढ़ेगा भाव? मौजूदा मार्केटिंग सीजन में 16 फीसदी घटा प्रोडक्शन

परिवहन विशेष न्यूज

2024-25 सीजन के पहली तिमाही में चीनी का उत्पादन 95.40 लाख टन रहा। यह आंकड़ा एक साल पहले 113.01 लाख टन था। इस साल 493 चीनी मिलों में पेराई हो रही थी जबकि पिछले 512 चीनी मिल चालू थीं। उत्पादन के आंकड़ों एथेनॉल बनाने के लिए चीनी के इस्तेमाल को शामिल नहीं किया गया है। अगर चीनी उत्पादन आगे भी कम रहा तो इसके भाव बढ़ सकते हैं।

नई दिल्ली: चीनी का उत्पादन मौजूदा मार्केटिंग सीजन की पहली तिमाही में एक साल पहल के मुकाबले करीब 16 फीसदी घटा है। इससे चीनी के भाव में उछाल आने की आशंका जताई जा रही है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) ने चीनी के उत्पादन का पहला अनुमान जारी कर दिया है। चीनी का मार्केटिंग सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होता है।

शुगर प्रोडक्शन कितना रहा?

2024-25 सीजन के पहली तिमाही में चीनी का उत्पादन 95.40 लाख टन रहा। यह आंकड़ा एक साल पहले 113.01 लाख टन था। इस साल 493 चीनी मिलों में पेराई हो रही थी, जबकि पिछले 512 चीनी मिल चालू थीं। उत्पादन के आंकड़ों एथेनॉल बनाने के लिए चीनी के इस्तेमाल को शामिल नहीं किया गया है।

चीनी उत्पादन घटने की वजह

ISMA के मुताबिक, कुछ राज्यों में एथेनॉल डायवर्जन बढ़ा है। इस वजह से चीनी उत्पादन में गिरावट आई है। एथेनॉल के लिए साल 2023-24 डायवर्जन 21.50 लाख टन रहा है जबकि 2024-25 में एथेनॉल के लिए 40 लाख टन चीनी का डायवर्जन रहा। वहीं कर्नाटक और महाराष्ट्र में पेराई देर से शुरू हुई। यह भी उत्पादन घटने की एक बड़ी वजह है।

क्या चीनी के बढ़ेंगे दाम?

चीनी उद्योग के जानकारों का कहना है कि अभी कई मिलों में पेराई चल रही है। इससे उम्मीद है कि चीनी का उत्पादन बढ़ जाएगा। हालांकि, अगर उत्पादन ज्यादा कम रहा, तो उसका असर चीनी की कीमतों पर भी दिख सकता है। चीनी मंडी के मुताबिक, दिल्ली में चीनी का मौजूदा खुदरा भाव 42 रुपये किलो है।

क्या चीनी की कमी हो सकती है?

ISMA के डायरेक्टर दीपक बल्लानी के मुताबिक, देश में चीनी की किल्लत होने की कोई आशंका नहीं है। उन्होंने कहा कि चीनी की कोई कमी नहीं है। अगले साल के लिए चीनी का प्रोडक्शन अच्छा लग रहा है। बल्लानी ने कहा, 'महाराष्ट्र और कर्नाटक में पेराई देर से शुरू हुई है। पिछले 15 दिनों का क्रशिंग रेट पिछले साल से अच्छा है। इससे चीनी उत्पादन बढ़ने की पूरी संभावना है।'

10 लाख टन एक्सपोर्ट की मांगी मंजूरी

बल्लानी ने यह भी कहा कि चीनी मिलों ने सरकार से 10 लाख टन के एक्सपोर्ट की मंजूरी मांगी है। अगर सरकार ने इजाजत दे दी, तो इससे मिलों को आर्थिक तौर पर बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमने सरकार से चीनी की मिनिमम सेलिंग प्राइस भी बढ़ाने की मांग की है। सरकार एथेनॉल का भाव बढ़ाने पर भी जल्द फैसला ले सकती है।

बेसिक होम लोन का रेफरल एजेंट नेटवर्क को बढ़ाने का प्लान; 50 हजार लोगों को मिलेगा कमाई का मौका

बेसिक होम लोन की कामयाबी में रेफरल एजेंट नेटवर्क का बड़ा हाथ है। इसका मतलब है कि कोई भी स्टूडेंट हाउसवाइफ या आम आदमी कंपनी के लिए ग्राहक लाकर कमाई कर सकता है। कंपनी के रेफरल एजेंट नेटवर्क से फिलहाल 15000 लोग जुड़े हैं।

नई दिल्ली: दिग्गज इन्वेस्टर आशीष कचोलिया के निवेश वाली बेसिक होम लोन की तेज ग्रोथ कर रही है। कंपनी ने पिछले साल की तुलना में 2.5 गुना ग्रोथ हासिल की है। इसने अगले वित्त वर्ष यानी 2025-26 में 30,000 करोड़ रुपये का कर्ज बांटने का लक्ष्य रखा है।

कंपनी अपने रेफरल एजेंट नेटवर्क में बड़ा विस्तार कर रही है। इससे बहुत-से पार्ट-टाइम कमाई का मौका मिल सकता है। बेसिक होम लोन के को-फाउंडर और सीईओ अतुल मोंगा ने दिल्ली और मुंबई में आयोजित सालाना कार्यक्रम "हडल" के दौरान कहा कि कंपनी 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए सभी के लिए घर खरीदने के सपने को साकार करने का प्रयास कर रही है।

रेफरल एजेंट नेटवर्क का विस्तार करने की योजना

बेसिक होम लोन की कामयाबी में रेफरल एजेंट नेटवर्क का बड़ा हाथ है। इसका मतलब है कि कोई भी स्टूडेंट, हाउसवाइफ या आम आदमी कंपनी के लिए ग्राहक लाकर कमाई कर सकता है। इस रेफरल एजेंट नेटवर्क में प्रॉपर्टी डीलर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और फाइनेंशियल एडवाइजर्स जैसे प्रोफेशनल्स भी शामिल हैं। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करता है, बल्कि संभावित ग्राहकों के लिए होम लोन हासिल करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाती है।

कंपनी के रेफरल एजेंट नेटवर्क से फिलहाल 15,000 लोग जुड़े हैं। कंपनी इसे अगले 12 महीने में बढ़ाकर 50,000 तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसके सीईओ अतुल मोंगा ने कहा, ₹हमारे एजेंट और साझेदार हमारी सफलता की नींव हैं। हडल 2024 यह साबित करता है कि मॉर्गेज इंडस्ट्री में नवाचार और समावेशन के प्रति हमारा समर्पण अडिग है।₹

आधुनिक उपकरण और बेहतर अवसर

बेसिक होम लोन अपने एजेंट्स को आधुनिक उपकरण, परफॉर्मेंस इंसेंटिव और विकास के अवसर प्रदान करता है। कंपनी का लक्ष्य है कि यह नेटवर्क न केवल बड़े शहरों में बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी अधिक प्रभावशाली बने। इससे नए ग्रेजुएट्स और पेशेवरों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

2020 में स्थापित बेसिक होम लोन का उद्देश्य भारत में 'सभी के लिए आवास' के लक्ष्य को पूरा करना है। यह देशभर में 650 जिलों में काम कर रहा है और हर महीने $1 बिलियन से अधिक के लोन आवेदन प्रोसेस करता है।

बेसिक होम लोन के निवेशकों में बड़े नाम

बेसिक होम लोन के इन्वेस्टर की लिस्ट में कई बड़े नाम हैं। इनमें शेयर मार्केट के मशहूर निवेशक आशीष कचोलिया भी शामिल हैं। अगर अन्य बड़े निवेशकों की बात करें, तो इसमें बर्टेल्समैन इंडिया इन्वेस्टमेन्ट, सीई-वेंचर्स, निखिल कामथ गृहास, पिकस कैपिटल, वेंचर कैटेलिस्ट, 9 यूनिकॉर्न्स, अर्ल्सफील्ड कैपिटल, गुड कैपिटल, डेक्सटर एंजल्स, आईआईएम इंदौर एल्युमनाई एंजल फंड, कॉम्सक्रेडिबल वेंचर फंड आदि का सपोर्ट हासिल है।

रिटायरमेंट के लिए कैसे करें बचत, किन योजनाओं में लगाएं पैसा?

परिवहन विशेष न्यूज

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए आपको सबसे पहले तय करना होगा कि रिटायर होने के बाद आपकी जरूरतें क्या होंगे और आपकी लाइफस्टाइल कैसी रहेगी। साथ ही आप कितना बड़ा रिटायरमेंट फंड चाहते हैं। फिर आपको उसी हिसाब से बचत की शुरू करनी चाहिए। इसके लिए आप म्यूचुअल फंड में एसआईपी करने से लेकर पीपीएफ और एनपीएस जैसी सरकारी योजनाओं में निवेश कर सकते हैं। आइए जानते हैं पूरी डिटेल।

नई दिल्ली: रिटायरमेंट के लिए आप जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू कर देंगे, उतना ही बेहतर रहेगा। अधिकतर फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह है कि आपको हर हाल में 30 साल की उम्र से अपना रिटायरमेंट प्लान करना शुरू कर देना चाहिए। इससे आप बड़ा रिटायरमेंट फंड बना पाएंगे और आपकी बुढ़ापे में आर्थिक नजरिये से किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

रिटायरमेंट की प्लानिंग कैसे करें?

आपको सबसे पहले तय करना होगा कि रिटायरमेंट के बाद आपकी जरूरतें क्या होंगे और आपकी लाइफस्टाइल कैसी रहेगी। साथ ही, आप कितना बड़ा रिटायरमेंट फंड चाहते हैं। फिर आपको उसी हिसाब से बचत की शुरू करनी चाहिए। इसके लिए आप म्यूचुअल फंड में एसआईपी करने से लेकर पीपीएफ और एनपीएस जैसी सरकारी योजनाओं में निवेश कर सकते हैं।

Retirement के लिए बचत कैसे करें?

गैर-जरूरी खर्च (expenses) कम करें और बचत करने पर ज्यादा ध्यान दीजिए।

अगर आपने कोई लोन ले रखा है, तो उसे भी जल्दी खत्म करने की कोशिश करें।

एकमुश्त पैसे बचाने की जरूरत नहीं है। छोटी-छोटी सेविंग से बड़ा फंड तैयार करें।

रिटायरमेंट लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश को नियमित रूप से समीक्षा करत रहें।

मुद्रास्फीति को ध्यान में रखकर करें निवेश

मुद्रास्फीति (inflation) का मतलब है कि चीजों के दाम सालाना आधार पर किस तरह से बढ़ रहे हैं। भारत में अभी मुद्रास्फीति 5 फीसदी के करीब है। लेकिन, यह 1974 में 28 फीसदी के पार पहुंच गई थी। इसलिए आपको उन योजनाओं में निवेश करना चाहिए, जहां अधिक रिटर्न मिलने की गुंजाइश रहे। लंबी अवधि में मुद्रास्फीति आपकी आर्थिक स्थिति को सबसे अधिक प्रभावित कर सकती है। इसलिए आपको इस पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए।

रिस्क मैनेजमेंट का भी रखें ख्याल

रिटायरमेंट के लिए निवेश करते समय रिस्क मैनेजमेंट (Risk Management) का भी ध्यान रखना चाहिए। आप अपनी पूरी बचत किसी एक ही स्कीम में निवेश न करें। उसे अलग-अलग निवेश माध्यमों में लगाएं। जैसे कि कुछ पैसे शेयर मार्केट में लगाएं और अच्छे फंडामेंटल वाले स्टॉक खरीदें।

आप म्यूचुअल फंड (Mutual Funds) में एसआईपी भी कर सकते हैं। कुछ पैसा सरकारी योजनाओं में भी निवेश कर सकते हैं। इससे आपको निश्चित रिटर्न मिलेगा। गोल्ड या रियल एस्टेट में निवेश भी अच्छा विकल्प हो सकता है। आप निवेश के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह भी ले सकते हैं।

बैंक नीलामी में अब आसानी से खरीद सकेंगे फ्लैट-जमीन और गाड़ी, सरकार ने दी ये खास सुविधा

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्रालय ने ई-ऑक्शन पोर्टल बैंकनेट लॉन्च किया है। अभी मकान फ्लैट व वाहन की खरीदारी के लिए विभिन्न प्रकार के पोर्टल पर जाकर लोग उसे सर्च करते हैं। अब बैंकनेट पोर्टल पर भी इस प्रकार के सर्च कर खरीदारी की जा सकती है। अभी ही बैंकनेट पोर्टल पर देश के विभिन्न स्थानों पर नीलामी के 122500 प्रॉपर्टी की विस्तृत जानकारी अपलोड हो चुकी है।

नई दिल्ली: अब बैंक की तरफ से होने वाली नीलामी में फ्लैट से लेकर आवासीय व कृषि जमीन के साथ प्लांट व मशीनरी की आसानी से खरीदारी कर सकेंगे। नीलामी प्रक्रिया को आसान एवं सभी के लिए उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को वित्त मंत्रालय का वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम.नागाराजु ने बैंकनेट (Banknet) नामक पोर्टल लॉन्च किया।

इस पोर्टल पर सभी सरकारी बैंक फ्लैट, मकान, जमीन, वाहन, मशीनरी, प्लांट की पूरी जानकारी देंगे। पोर्टल पर जाकर कोई भी व्यक्ति नीलाम होने वाली सभी प्रॉपर्टी की जानकारी लेकर उसमें भाग ले सकता है। अगर कोई दिक्कत महसूस हो रही है तो काल सेंटर को काल भी कर सकता है।

अभी अलग-अलग पोर्टल पर करना पड़ता है सर्च

अभी मकान, फ्लैट व वाहन की खरीदारी के लिए विभिन्न प्रकार के पोर्टल पर जाकर लोग उसे सर्च करते हैं। अब बैंकनेट पोर्टल पर भी इस प्रकार के सर्च कर खरीदारी की जा सकती है। अभी ही बैंकनेट पोर्टल पर देश के विभिन्न स्थानों पर नीलामी के 1,22,500 प्रॉपर्टी की विस्तृत जानकारी अपलोड हो चुकी है। पोर्टल पर प्रॉपर्टी की नीलामी से पहले व नीलामी के साथ नीलामी के बाद की पूरी जानकारी दी जाएगी।

सरकारी बैंक लोन में डिफॉल्टर होने वाले की प्रॉपर्टी, जमीन, प्लांट, मशीनरी, वाहनों की नीलामी पर अपनी रकम वसूलती है। इस काम के लिए बैंक अखबारों में इश्तिहार देकर लोगों को नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए लोगों को आमंत्रित करते हैं।

बैंकनेट पर सभी सरकारी बैंक

नीलामी की जानकारी देंगे। इस पोर्टल के लांच होने से बैंक को इस नीलामी में अधिक से अधिक लोग हिस्सा ले सकेंगे और उन्हें अधिक कीमत मिल सकती है। इस पोर्टल पर जाकर खरीदारी करने पर ग्राहकों के साथ किसी धोखाधड़ी की कोई आशंका नहीं रहेगी।

ग्लोबल एविएशन हब बनेगा भारत! नीति आयोग ने तैयार किया पूरा प्लान, बजट में बड़े एलान की उम्मीद

ग्लोबल एविएशन हब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। इसमें एविएशन सेक्टर को कर छूट इस सेक्टर की कंपनियों को काम करने संबंधी नियमों को आसान बनाने और देश में विमानन कंपनियों पर लगाए जाने वाले सेवा शुल्कों में छूट देने के लिए एक समग्र पैकेज की घोषणा की जा सकती है।

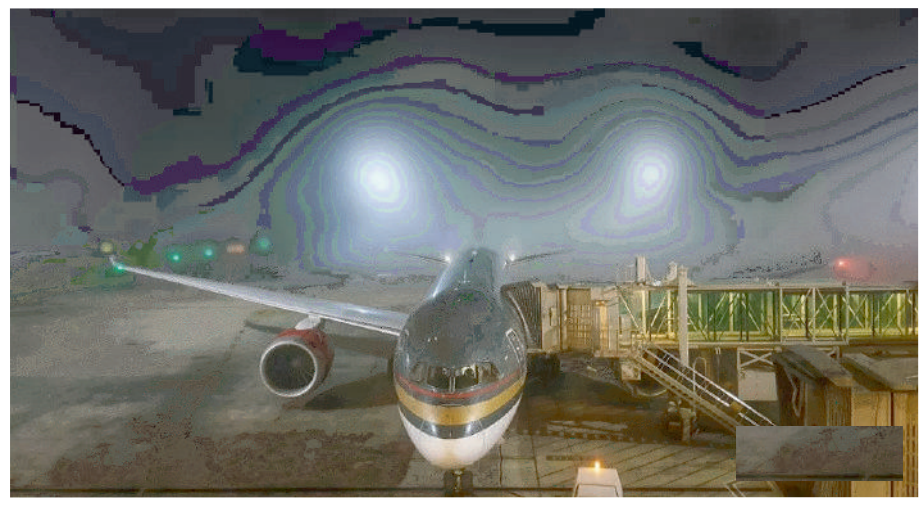

नई दिल्ली: भारत का उड्डयन सेक्टर दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले एक दशक में कई बार केंद्रीय उड्डयन मंत्रियों की तरफ से यह कहा भी जा चुका है कि वह भारत को एक वैश्विक एविएशन हब के तौर पर स्थापित करना चाहते हैं। हालांकि अब केंद्र सरकार पहली बार इस उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए एक समग्र नीति तैयार करने में जुटी है।

इसकी एक महत्वपूर्ण झलक अगले आम बजट में दिखेगी। माना रहा है कि आगामी बजट में एविएशन सेक्टर को कर छूट, इस सेक्टर की कंपनियों को काम करने संबंधी नियमों को आसान बनाने और देश में विमानन कंपनियों पर लगाए जाने वाले सेवा शुल्कों में छूट देने के लिए एक समग्र पैकेज की घोषणा की जाएगी।

नीति आयोग ने तैयार किया है प्लान

पैकेज का प्रारूप नीति आयोग ने केंद्र सरकार के सभी संबंधित मंत्रालयों जैसे गृह मंत्रालय, पेट्रोलियम मंत्रालय, नागरिक विमानन मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय के साथ गहन विमर्श के बाद तैयार किया है। नीति आयोग का यह पैकेज कई चरणों में लागू होगा।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया, 'सरकार की भावी नीति पीएम नरेन्द्र मोदी की तरफ से सितंबर, 2024 में एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय बैठक में कही गई बात को मूर्त रूप देने वाला होगा। उसमें पीएम मोदी ने कहा था कि हमारा उद्देश्य आम जनता तक हवाई यात्रा की सेवा को पहुंचाना, हवाई यात्रा को सुगम, किफायती और सभी के लिए उपलब्ध बनाने की होनी चाहिए।'

यह टियर-2 और टियर-3 श्रेणी के शहरों में निवेश बढ़ाने वाला और समूचे घरेलू उड्डयन सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों को बढ़ाने वाला होगा। बताते चलें कि नीति आयोग ने एविएशन सेक्टर को प्रोत्साहन देने की इस नीति के तहत विमान ईंधन (एटीएफ) को जीएसटी में लाने का प्रस्ताव किया था और वित्त मंत्रालय की तरफ से पिछले शनिवार को जीएसटी काउंसिल की बैठक में इसे रखा गया था, लेकिन राज्यों की सहमति नहीं मिल पाई।

हिसार को एविएशन हब बनाने पर लग सकती है मुहर

सरकार की भावी नीति में देश में दो एविएशन हब स्थापित करने की राह भी खुलेगी। पहले देश में एक एविएशन हब बनाने का प्रस्ताव था, लेकिन अब नागर विमानन मंत्रालय की तरफ से उत्तर व दक्षिण में एक-एक एविएशन बनाने की पेशकश की जाने वाली है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की तरफ से दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 220 किलोमीटर दूरी पर स्थित हिसार एयरपोर्ट को एक एविएशन हब बनाने के लिए तकनीकी व वित्तीय मदद देने पर समझौता हुआ है।

हरियाणा की राज्य सरकार की तरफ से भी हिसार को एक वैश्विक एविएशन हब बनाने की बात कही गई है, लेकिन इस बारे में केंद्र सरकार की तरफ से अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

2047 तक देश में होंगे 400 एयरपोर्ट

वर्ष 2024 में घरेलू हवाई यात्रियों की कुल संख्या 22 करोड़ के पार कर जाने की संभावना है। यह संख्या वर्ष 2030 तक 40 करोड़ हो जाने और भारतीय विमानन कंपनियों के पास विमानों की मौजूदा संख्या 800 से बढ़कर 1400 हो जाने का अनुमान है। इसके साथ ही देश में हवाई अड्डों की मौजूदा संख्या भी 157 से बढ़कर 250 हो जाने का अनुमान है।

नागर विमानन मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2047 तक भारत में 400 एयरपोर्ट होंगे। सिर्फ एयरपोर्ट निर्माण के लिए 24 अरब डालर के निवेश की दरकार है। जबकि विमानन कंपनियों को नये विमान खरीदने के लिए 150 अरब डालर के वित्त की जरूरत होगी।

हिंदी में नई कहानी आंदोलन के जनक: कमलेश्वर

साहित्य के क्षेत्र में कमलेश्वर प्रसाद सक्सेना ऐसा नाम है, जिनसे कौन परिचित नहीं है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी कमलेश्वर आधुनिक हिंदी साहित्य में वह जाना-पहचाना और विख्यात नाम है,जिनकी रचनाओं को छठे दशक में सबसे अधिक पढ़ा गया था। वे स्वातंत्र्योत्तर काल में हिंदी जगत के विख्यात साहित्यकारों में से एक माने जाते हैं। सच तो यह है कि वे साहित्य और पत्रकारिता के सितारे थे, जिनकी चमक कभी भी कम नहीं होगी। कमलेश्वर हिंदी साहित्य में नई कहानियों के जनक, दलित साहित्य को मान्यता दिलाने वाले, मौसम, चंद्रकांता जैसी फिल्मों-टीवी सीरियल के स्टार लेखक, दूरदर्शन के अतिरिक्त महानिदेशक होने से कई पुरस्कृत कार्यक्रमों के प्रोड्यूसर और राजपथ की परेड की शानदार कमेंट्री के लिए भी जाने जाते हैं। 'कामगार विश्व' नाम के कार्यक्रम में उन्होंने ग़रीबों, मज़दूरों की पीड़ा-उनकी दुनिया को अपनी आवाज़ दी। कमलेश्वर की अनेक कहानियों का उर्दू में भी अनुवाद हुआ है। बहरहाल, यह कहना ग़लत नहीं होगा कि वे बेहद मानवीय, बेहद संवेदनशील, बेहद आत्मीय और नई पीढ़ी के लेखक पत्रकारों के लिए संरक्षक थे। जब भी बहुचर्चित उपन्यास 'कितने पाकिस्तान', जो कि भारत-पाकिस्तान के बँटवारे और हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर आधारित है, की बात आती है, तो पाठक, साहित्यकार कमलेश्वर को अवश्य ही याद करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारतीय राजनीति का एक चेहरा दिखाती फ़िल्म 'आंधी' कमलेश्वर का काम एक मानक के तौर पर दिखाती है। वे आधुनिक हिंदी साहित्य में 'नई कहानी आंदोलन' के प्रमुख रचनाकारों में एक थे। सच तो यह है कि कमलेश्वर ने हिंदी गद्य साहित्य में कई विधाओं में साहित्य का सृजन किया हैं जिसमें कहानी, उपन्यास, नाटक, संस्मरण, स्तंभ लेखन व पटकथा लेखन शामिल हैं। उन्होंने दूरदर्शन के महानिदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं। दूरदर्शन पर साहित्यिक कार्यक्रम 'पत्रिका' की शुरुआत इन्हीं के द्वारा हुई तथा पहली टेलीफ़िल्म 'पंद्रह अगस्त' के निर्माण का श्रेय भी इन्हीं को जाता है। अपने जीवनकाल में उन्होंने पत्र-पत्रिकाओं का संपादन कार्य भी किया, जिनमें 'दैनिक जागरण', 'सारिका' व 'गंगा' प्रमुख हैं। साहित्य में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा वर्ष 2005 में 'पद्म भूषण' और 'कितने पाकिस्तान' (उपन्यास) के लिए वर्ष 2003 में 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया । उनका जन्म 6 जनवरी 1932 को उत्तरप्रदेश के मैनपुरी जिले में हुआ था। वैसे तो उनका पूरा नाम कमलेश्वर प्रसाद सक्सेना था लेकिन हिंदी जगत में उन्हें कमलेश्वर के नाम से अधिक जाना जाता है। उनके पिता का नाम 'श्री जगदंबा प्रसाद' व माता का नाम 'श्रीमती शांतिदेवी' था। उनकी धर्मपत्नी का नाम श्रीमती गायत्री देवी था।

कमलेश्वर की प्रारंभिक शिक्षा मैनपुरी के गवर्मेंट हाईस्कूल से हुई तथा उन्होंने वर्ष 1954 में 'इलाहाबाद विश्वविद्यालय' से हिंदी साहित्य में एम.ए की डिग्री हासिल की। इसी समय उनका लेखन के क्षेत्र में पर्दापण हुआ जो उनके जीवन के अंत तक जारी रहा। कई वर्षों तक उन्होंने सरकारी नौकरी भी की। उनके उपन्यासों में क्रमशः एक सड़क सत्तावन गलियाँ, डाक बंगला, समुद्र में खोया हुआ आदमी, तीसरा आदमी आदि शामिल हैं। उन्होंने कहानी संग्रह भी लिखे जिनमें जॉर्ज पंचम की नाक, इतने अच्छे दिन, मांस का दरिया आदि शामिल हैं। 'रेत पर लिखे नाम', 'अधूरी आवाज' उनके द्वारा लिखे नाटक थे। पाठकों को बताता चलूं कि उन्होंने तकरीबन 99 फिल्मों में कहानियां, संवाद व पटकथाएं लिखी हैं। इनमें से कुछ प्रसिद्ध फिल्मों के नाम है, 'राम बलराम', 'मौसम', 'रंग बिरंगी', 'यह देश' आदि।उन्होंने संस्मरण भी लिखे जैसे 'जो मैंने जिया', 'जलती हुई नदी', 'यादों के चिराग' आदि। इतना ही नहीं उन्होंने यात्रा वृत्तांत और समीक्षा ग्रंथों पर भी अपनी कलम चलाई थी। उनके यात्रा वृत्तांतों में क्रमशः 'कश्मीरः रात के बादर,'देश-देशांतर' शामिल हैं।'नयी कहानी की भूमिका', 'मेरा पन्ना' उनके समीक्षा ग्रंथों में से एक थे। कमलेश्वर ने अपने 75 साल के जीवन में 12 उपन्यास, 17 कहानी संग्रह और क़रीब 100 फ़िल्मों की पटकथाएँ लिखीं। गौरतलब है कि कमलेश्वर की अंतिम अधूरी रचना अंतिम सफर उपन्यास है, जिसे कमलेश्वर की पत्नी गायत्री कमलेश्वर के अनुरोध पर तेजपाल सिंह धामा ने पूरा किया और हिन्द पाकेट बुक्स ने उसे प्रकाशित किया और बेस्ट सेलर रहा। पाठकों को बताता चलूं कि कमलेश्वर मूलतः कहानीकार, उपन्यासकार थे, लेकिन कविताओं और गजलों के गहरे अध्येता थे। दुष्यंत कुमार की गजलों को न सिर्फ कई बार उन्होंने अपनी संपादित पत्रिकाओं में छापा अपितु अपने लेखन में बहुधा वे दुष्यंत कुमार की गजलों का जिक्र करते थे। यहां तक कि दुष्यंत कुमार की किताबों की भूमिका भी उन्होंने लिखी। उनकी पहली कहानी 1948 में प्रकाशित हो चुकी थी परंतु 'राजा निरबंसिया' (1957) से वे रातों-रात एक बड़े कथाकार बन गए। सच तो यह है कि कमलेश्वर एक बड़े लेखक और बेहतरीन इंसान थे।उन्हें याद करते हुए हिंदी साहित्यिक पत्रिका 'हंस' के संपादक राजेंद्र यादव ने कहा था, 'कमलेश्वर का जाना मेरे लिए हवा-पानी छिन जाने जैसा है। साहित्य जगत में कमलेश्वर जैसे बहुमुखी और करिश्माई व्यक्तित्व के लोग कम ही हुए हैं।' 27 जनवरी 2007 को सूरजकुंड, फरीदाबाद में उनका निधन हो गया।

सुनील कुमार महला

कार राजमार्ग से टकरा गई। गोशाला मंडल भाजपा अध्यक्ष व पूर्व सरपंच की घटनास्थल पर ही मौत

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

सम्बलपुर /भूबनेश्वर : कार-हाईवे टक्कर में 2 भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत। बरगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कांटापाली ओवरब्रिज के पास एक दुर्घटना हुई है।गोशाला मंडल भाजपा अध्यक्ष और पूर्व सरपंच की मौत की खबर। भुवनेश्वर से घर लौटते समय एक कार ओलावृष्टि की चपेट में आ गई। हालांकि यह संदेह है कि यह हत्या राजनीतिक दुश्मनी के कारण की गई है, लेकिन परिस्थितियां स्पष्ट नहीं हैं। स्थानीय पुलिस हाईवे चालक से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जांच के बाद जल्द ही सच्चाई पता चल जाएगी।

गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती

गुरु गोबिंद सिंह जी केवल भारत के इतिहास में ही नहीं, बल्कि विश्व के सबसे महान व्यक्तित्वों में से एक माने जाते हैं। वे एक उत्कृष्ट दार्शनिक, लेखक, और कवि के साथ-साथ अद्वितीय रणनीतिकार और असाधारण योद्धा भी थे। वे सिख धर्म के दसवें और अंतिम गुरु हैं, जिन्होंने सिख धर्म के सिद्धांतों को पूरी तरह से स्थापित कर इस पंथ को स्थिरता दी। **गुरु गोबिंद सिंह जयंती कब है ?**:- पंचांग के अनुसार, पौष मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 05 जनवरी को रात 08:15 बजे प्रारंभ होगी। इस तिथि का समापन 06 जनवरी को दोपहर 06:23 बजे होगा। अतः गुरु गोबिंद सिंह जयंती 06 जनवरी को मनाई जाएगी।

पटना में 10वें गुरु का जन्म हुआ था।:- गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म 1666 में पटना में हुआ। वे नौवें सिख गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी के एकमात्र पुत्र थे, जिनका बचपन का नाम गोबिंद राय था। 11 नवंबर, 1675 को, गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान के पश्चात, वे 10वें गुरु के रूप में स्थापित हुए। इस समय उनकी आयु केवल 9 वर्ष थी। **गुरु गोबिंद सिंह जयंती का महत्व :-** गुरु गोबिंद सिंह जी ने बैसाखी के अवसर पर खालसा पंथ की नींव रखी थी। उनके जीवनकाल में उन्होंने अनेक साहित्यिक रचनाएं कीं. सिख धर्म के लिए उन्होंने कई महत्वपूर्ण नियम स्थापित किए, जिनका पालन आज भी किया जाता है।

जज़्बात को क्यों छुपाना...

दिल में जज़्बात को क्यों छुपाना,
लूटा दो यह हैं प्यार का खजाना।
प्रेम ऐसे ही कहीं नहीं झलकता,
ये सीने में धड़कनों सा महकता!
रिश्तो में ऐसे आती है सहजता।

दिल में जज़्बात को क्यों छुपाना,
लूटा दो यह हैं प्यार का खजाना।
अपनों का प्यार कभी खुटता नहीं,
तनहाई में वह कभी रुकता नहीं!
किसी भी आरी से ये कटता नहीं।

दिल में जज़्बात को क्यों छुपाना,
लूटा दो यह हैं प्यार का खजाना।
निगाहें तुम सब से मिलाया करो,
होले-2 सबके दिल में समाया करो!
यह पक्का है बंधन बंध जाया करो।

संजय एम. तराणेकर

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा न होने से डिजिटल लेनदेन का जोखिम

डॉ० सत्यवान सौरभ

भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस का उदय परिवर्तनकारी रहा है, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, वित्त वर्ष २०२३-२४ में यूपीआई लेनदेन 11.5 बिलियन से अधिक हो गए, जिनका मूल्य १६.9 लाख करोड़ था। हालाँकि, दो थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स फोनपे और गूगलपे के बीच बाज़ार का संकेन्द्रण यूपीआई लेनदेन के 80% से अधिक को नियंत्रित करता है, जो चिंता का विषय है। यूपीआई के उदय ने व्यापक रूप से अपनाए जाने के माध्यम से भारत में डिजिटल भुगतान में क्रांति ला दी है।यूपीआई ने तेजी से बड़े पैमाने पर अपनाना प्राप्त किया है, भारत में सभी डिजिटल लेनदेन का लगभग 80% हिस्सा यूपीआई का है, जिसने भुगतान परिदृश्य को बदल दिया है। अगस्त २०२४ में, यूपीआई ने १०.60 लाख करोड़ से अधिक के लेनदेन संसाधित किए, जो भारत के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में इसके व्यापक उपयोग और अपनाने को दर्शाता है। यूपीआई उपयोगकर्ताओं के लिए शून्य शुल्क प्रदान करता है, जिससे भारत की आर्थिक रूप से विविध आबादी के लिए डिजिटल लेनदेन किफ़ायती और अत्यधिक सुलभ हो जाता है। यूपीआई का लागत-मुक्त मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तियों को बिना किसी चिंता के डिजिटल भुगतान प्रणाली तक स्वतंत्र रूप से पहुँचने और उसका उपयोग करने की अनुमति देता है। यूपीआई ने डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए एक आसान, लागत-प्रभावी और स्केलेबल तरीका प्रदान करके छोटे विक्रेताओं, व्यवसायों और उद्यमियों को महत्वपूर्ण रूप से सशक्त बनाया है। भारत भर में स्ट्रीट वेंडर, छोटे व्यापारी और किराना स्टोर अब डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए यूपीआई का उपयोग करते हैं। यूपीआई ने पहले से बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को औपचारिक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में प्रभावी रूप से लाकर वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लाखों ग्रामीण और वंचित भारतीय यूपीआई के माध्यम से महत्वपूर्ण डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुँचने में सक्षम हुए हैं, जिससे ऐतिहासिक रूप से कम बैंकिंग पहुँच वाले क्षेत्रों में अधिक आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा मिला है। यूपीआई ने सरकारी सेवाओं के साथ एकीकृत एक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करके डिजिटल भुगतान में महत्वपूर्ण सार्वजनिक विश्वास विकसित किया है। दो थर्ड पार्टी ऐप प्रदाताओं के बीच बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती है। कुछ खिलाड़ियों की उच्च बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण प्रणालीगत जोखिम पैदा करती है, जहां सेवाओं में किसी भी व्यवधान का पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक, व्यापक प्रभाव हो सकता है। उदाहरण के लिए: अगर फोनपे या गूगल पे में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ जाती है, तो इससे 80% तक यूपीआई लेनदेन बाधित हो सकता है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर व्यवधान और घबराहट पैदा हो सकती है। केवल दो प्रमुख खिलाड़ियों के वर्चस्व वाला बाजार स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में बाधा डालता है, उभरते बाजार में प्रवेश करने वालों द्वारा नवाचार और नई सुविधाओं या भुगतान सेवाओं के विकास को हतोत्साहित करता है। फोनपे और गूगल पे की बाजार में जबरदस्त मौजूदगी ने पेटीएम जैसे छोटे प्रतिस्पर्धियों के लिए विकास करना और बाजार में अभिनव समाधान लाना मुश्किल बना दिया है, जिससे संभावित प्रगति रुक गई है। विदेशी स्वामित्व वाले टीपीएपी का प्रभुत्व डेटा सुरक्षा, उपयोगकर्ता गोपनीयता और भारतीय नागरिकों की संवेदनशील वित्तीय जानकारी तक संभावित पिछले दरवाजे से पहुंच से संबंधित जोखिम पेश करता है। वॉलमार्ट द्वारा फोनपे और गूगल द्वारा गूगल पे का विदेशी स्वामित्व व्यक्तिगत वित्तीय डेटा की सुरक्षा और विदेशी संस्थाओं द्वारा अनधिकृत पहुँच की संभावना पर चिंताएँ बढ़ाता है। बाज़ार हिस्सेदारी की सीमा लागू करने में लंबे समय तक की गई देरी ने दो प्रमुख तपाप को अपना नियंत्रण मज़बूत करने का मौक़ा दिया है, जिससे एक अधिक प्रतिस्पर्धी और गतिशील यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र उभरने से रोका जा सकता है। फोनपे और गूगल पे का प्रभुत्व क्षेत्रीय ज़रूरतों या प्राथमिकताओं को अनदेखा कर सकता है, जिससे स्थानीय समाधानों के लिए गति प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। क्षेत्रीय भाषाओं या स्थानीय व्यावसायिक ज़रूरतों के लिए तैयार किए गए यूपीआई ऐप अक्सर गूगल पे और फोनपे जैसे स्थापित बाज़ार नेताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष करते हैं। प्रमुख पेटीएम और एक्सिस बैंक थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर के लिए बाज़ार हिस्सेदारी पर सीमा निर्धारित करने से बेहतर प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित हो सकती है और प्रणालीगत जोखिम कम हो सकते हैं। फोनपे और गूगल पे की बाज़ार हिस्सेदारी को ३०% तक सीमित करने के भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के पहले के प्रयास बाज़ार प्रभुत्व को संतुलित कर सकते हैं। भारतीय स्वामित्व वाले पेटीएम और एक्सिस बैंक थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर का समर्थन करने से विदेशी खिलाड़ियों पर निर्भरता कम हो सकती है और नियामक निगरानी में सुधार हो सकता है। स्थानीय ऐप या सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लिए फंडिंग जैसी पहल भारतीय पेटीएम और एक्सिस बैंक थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर को अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने में मदद कर सकती है। फेलसेफ मैकेनिज्म विकसित करना और अतिरेक सुनिश्चित करना सिस्टम विफलताओं के प्रभाव को कम कर सकता है। यूपीआई ऐप्स के लिए बैकअप सर्वर बनाने से आउटेज या तकनीकी कठिनाइयों के दौरान सेवा में रुकावट को रोका जा सकता है। छोटे खिलाड़ियों को अनुदान या सब्सिडी प्रदान करने से नए विचारों को बढ़ावा मिल सकता है और दी जाने वाली सेवाओं की सीमा बढ़ सकती है। सरकार के नेतृत्व वाली नवाचार चुनौतियाँ छोटे डेवलपर्स को नए भुगतान समाधान पेश करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं जो विशिष्ट बाजारों को पूरा करते हैं। मज़बूत डेटा गोपनीयता कानून लागू करने से उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को संभावित दुरुपयोग से बचाया जा सकेगा। यूपीआई -आधारित ऐप्स के लिए कड़े डेटा सुरक्षा नियमों को लागू करने से यह सुनिश्चित हो सकता है कि संवेदनशील वित्तीय डेटा अनधिकृत पहुँच से सुरक्षित है। यूपीआई की निरंतर सफलता सुनिश्चित करने के लिए तथा बाजार संकेन्द्रण से होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए, भारत को छोटे टीपीएपी के बीच नवाचार को प्रोत्साहित करके, निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए विनियामक ढाँचे को बढ़ाकर तथा साइबर सुरक्षा सुधारों पर ध्यान केंद्रित करके अधिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना चाहिए। इसके अलावा, सहयोगी मॉडलों के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना तथा विविध भुगतान प्लेटफ़ॉर्म को अपनाने को प्रोत्साहित करना एक अधिक लचीला तथा न्यायसंगत डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करेगा।

भीषण विस्फोट, दिल दहला देने वाला मंजर: दंपत्ति के शव टुकड़े-टुकड़े हो गए

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: जगतसिंहपुर बड़ाबाग में कल रात हुए भीषण विस्फोट का दिल दहला देने वाला फुटेज सामने आया है। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि मृतक दम्पति के शव चारों ओर बिखर गये। शव के अंग घर से करीब 20 से 30 मीटर दूर पाए गए। मैंने जो कपड़े पहने थे वे उड़कर एक पेड़ में अटक गये।आज सुबह लगभग पांच घंटे तक शरीर के छोटे-छोटे हिस्सों को एकत्र किया गया। जगतसिंहपुर शहर के निवासी इस तरह के हिंसक विस्फोट से स्तब्ध हैं। आज सुबह एक वैज्ञानिक दल घटनास्थल पर पहुंचा और निरीक्षण किया। उन्होंने घटनास्थल से मृतक के रक्त के नमूने, शरीर से निकाले गए मांस के टुकड़े, जले हुए तीर, जला हुआ बारूद और कपड़ों के नमूने एकत्र किए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि नमूने को परीक्षण के लिए राज्य फोरेंसिक प्रयोगशाला भेजा जाएगा।प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह दुर्घटना गोली लगने के कारण हुई। पुलिस ने मुकदमा संख्या 3/24 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। मृतक दम्पति राजेश दास और उनकी पत्नी सुचिस्मिता दास के शव पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। गांव के कब्रिस्तान में जब अंतिम संस्कार किया गया तो

पूरे गांव में शोक की छाया छा गई। इसी तरह गंभीर रूप से घायल परेश दास और उनकी पत्नी लक्ष्मीप्रिया का कटक एससीबी में इलाज चल रहा है। परेश के पैर टूट गए, जबकि लक्ष्मीप्रिया की पीठ पर चोटें आईं। हालाँकि, वे खतरे से मुक्त पाए गए हैं।

कटक से आई ओड्राफ टीम ने आज छत को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इसके बाद पुलिस ने एक बार फिर गहन जांच शुरू कर दी है। जगतसिंहपुर थाने के आईआईसी प्रभास चंद्र साहू, एसडीपीओ रश्मि रंजन साहू, एडिशनल एसपी उमेश पांडा ने घटनास्थल पर जांच की। विस्फोट स्थल पर जले हुए गोले पड़े पाए गए। बताया जा रहा है कि जगतसिंहपुर शहर में ऐसी घटना पहले कभी नहीं हुई। आज भी विस्फोट की भयावहता देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी रही।

सरायकेला एस पी के प्रयास से आठ एकड़ अफीम की खेती नष्ट

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड- झारखंड .

सरायकेला। किसने कहा झारखंड के सरायकेला खरसावां एवं सिंहभूम में चतरा , लातेहर , साहेब गंज की तरह अफीम की अवैध खेती नहीं के बराबर होती और पुलिस थानों को इसकी खबर नहीं होता क्या यह संभव है ! अगर ऐसा ही होता तो कम उम्र के युवा एस पी सरायकेला खरसावां मुकेश लुनायत का प्रयास कुचाई में जाकर रंग नहीं लाता । जिले में जारी अफीम खेती की खिलाफ जागरुकता भरी अभियान से कुचाई थाना के दलभंगा ओ0पी0 अंतर्गत गांव मुटूगोड़ा,टोला गिरूपानी मे पुलिस संग जनता ग्राम सभा कर अवैध रूप से लगे कुछ अफ़ीम की खेती को तहस नहस किया गया है । बताया जाता है कि करीब 8 एकड़ में अफीम के पौधें उखाड़े गये है जहां दस से पंद्रह करोड़ों रूपये के बने अफीम की अनुमान लागत है । पर केवल जंगल क्यों जिस रास्ते अफीम बाजार तक जाता उस इलाके के सारे थाने एवं जिला मुख्यालय के थाने के संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगा पाने में केंद्र व राज्य की इंटिलीजेन्स एजेंसियां क्यों अक्षम हैं । बात

चाहे झारखंड के चाईबासा हो या सरायकेला-खरसावां ।

सबसे महत्वपूर्ण बात नार्कोटिक्स ड्रग्स एवं अफीम खेती के डोडा व पोस्ता लगातार जप्त होने के साथ सरायकेला खरसावां एवं सिंहभूम सूर्खियों में विगत लोकसभा चुनाव के समय आया था ।जिसे देख चुनाव आयोग भी चकित हो उठा था । लोकसभा चुनाव के ठीक मतगणना पूर्व समय पश्चिम सिंहभूम जिले के टेबो थाना अन्तर्गत चाकी नदी के तट से 2100 किलो डोडा गत वर्ष जून माह में पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बरामद कर तहलका मचा दी थी , जिसकी अनुमानत मुल्य करीब तीन करोड़ रूपये रही । अगर डोडा मुल्य तीन करोड़ तो अफीम की मूल्य कितनी रही होगी । सच तो यह है कि ये डोडा पकड़ा गया पर अफीम गया कहां जिस पर पुलिस ने टेवो थाने में 15 सी एन डी पी एस एक्ट के सु संगत धाराओं के साथ एक मामला दायर किया था । अगर कुचाई में अफीम की खेती होती रही तो सरायकेला जिला के थाने व मुख्यालय को खबर क्यों है ।जो महज तीस किलोमीटर दुरी पर है । गत दिनों कोल्हान डी आई जी से यही बात इस पत्रकार ने पुछा तो उन्होंने आश्चर्य भरे लहजे में सरायकेला एस पी के समक्ष कहा था यह रिमार्क वल बात है । यह बात राष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण जांच का विषय बनता है ।

एन आई ए का झारखंड में नक्सली व सहयोगियों पर छापा

सारंडा में एन आई ए की 35 सदस्य टीम, बीते कल बोकारो से एक गिरफ्तार

चाईबासा , झारखंड से आतंकवाद खात्मा को लेकर संबंधित इलाकों में आतंकवादी एवं उनके सहयोगियों के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने बोकारो , सारंडा के कई जगह पर छापेमारी शनिवार से कर रही है.

नक्सलियों का अड्डा रहा सारंडा जंगल इलाके में भी एनआईए की टीम आज पहूंच कर थलकोबाद आस पास गयी . 35 सदस्यीय टीम ने सारंडा के जंगलों में नक्सलियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी रविवार को सुबह की . बृहत सारंडा जंगल में अक्सर नक्सलियों लैंडमाइंस बिछा कर आतंकी संगठन की उपस्थिति दर्ज करते रहते हैं , जहां पुलिस को इनका खामियाजा भुगतना पड़ता है ।उसके कलावे एक छापे से गत वर्ष मोटी रकम , सीमा कार्ड, डायरी, साहित्य आदि जप्त हुए थे । संभवत इसी कारण एनआईए की टीम ने सारंडा के जंगलों मे आज पहुंची है .

नक्सलियों के संभावित मनोरम स्थल थलकोबाद समेत आसपास के गांवों में भी पहुंच कर छापेमारी की. बताया जाता है कि जहां एक करोड़ के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा समेत अन्य इनामी नक्सलियों के छिपे होने की सूचना उन्हें थी.

वहीं बोकारो से बच्चा सिंह को कल गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से अहम सबूत हाथ लगे हैं । बताया जाता है कि वह माओवादी गतिविधि के लिए धन जुटाता था । आज पश्चिम सिंहभूम जिले के सारंडा में अहम सबूत मिलने की खबर है , यद्यपि किसी गिरफ्तारी की सूचना नहीं है ।

अपनी खुशियों को वहां ढूंढना बंद करें जहां आपने उन्हें खोया था, क्योंकि हमेशा छीनने वाले दुष्ट लोग कभी भी कुछ भी देने के काबिल ही नहीं होते

क़लमकार। यह वाक्य एक गहरी समझ को व्यक्त करता है कि हमें अपनी खुशियों को उन स्थानों या परिस्थितियों में कभी भी ढूंढने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, जहां हम उन्हें झूठे, मतलबी, धोखेवाज़, लालची, शातिर और अपना झंडा गाड़ने बालों के कारण पहले खो चुके थे। ईमानदारी से अपना काम करने के बाद भी जब आपको सम्मान और साथ ना देते हुये जब कोई चीज़ हमसे छीन ली जाती है, तो उसे फिर से हमें वही मतलबी, धोखेवाज़, मक्कार, लालची और शातिर व्यक्ति या स्थान नहीं दे सकता जो पहले उसने छीन ली थी। इसका मतलब यह है कि हमें अपनी खुशी को उनसे बहुत दूर रहकर नए दृष्टिकोण और नए स्रोतों में खोजने की जरूरत है, बजाय इसके कि हम कड़वे अतीत में वापसी करें और फिर से उनकी धोखेवाज़ी और मक्कारी को फालतू में सहे। कुल मिलाके बात ये हैं कि ऐसे फरेबी और मक्कार किस्म के दुष्ट लोगों से दूर ही रहें। यह जीवन को सशक्त एवं आगे बढ़ाने और मानसिक सुकून बनाने की प्रेरणा देता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023